राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार, 11 जनवरी 2026

वर्ष 14, अंक 268, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा का कारवां पहुंचा महराजगंज, विधेयक मंजूरी को लेकर जमकर नारेबाजी..03

हमीरपुर में अवैध खनन पर प्रशासन का चला चाबुक..04

असमः मतदाता सूची में हेरफेर का आरोप, विपक्षी दलों ने भाजपा के ख़िलाफ़ शिकायत दर्ज कराई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली– असम में पांच विपक्षी दलों ने शुक्रवार (9 जनवरी) को संयुक्त रूप से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य की मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है. इन दलों में कांग्रेस, रायजोर दल, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) और असम जातीय परिषद शामिल हैं. रायजोर दल ने इस मामले में अलग से निर्वाचन आयोग से भी शिकायत की और भाजपा पर मतदाता सूचियों में सुनियोजित और असंवैधानिक तरीके से हेरफेर करने का आरोप लगाया. गुवाहाटी के दिसपुर थाने में दर्ज शिकायत में विपक्षी दलों ने दावा किया कि असम भाजपा अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया इस कथित साजिश का नेतृत्व कर रहे हैं. आरोप है कि पार्टी विधायकों को निर्देश दिया गया है कि वे राज्य की 126 विधानसभा सीटों में से कम से कम 60 सीटों पर भाजपा-विरोधी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटवाना सुनिश्चित करें. ज्ञात हो कि असम में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण जारी है, जहां मई तक विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. अपडेट मसौदा मतदाता सूची 27 दिसंबर 2025 को प्रकाशित की गई थी, जबकि अंतिम

सूची 10 फरवरी को जारी होने की उम्मीद है।

'मोबाइल और वीडियो साक्ष्य जब्त किए जाएं'

विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि 4 जनवरी को हुई एक ऑनलाइन बैठक में दिलीप सैकिया ने यह 'नाम हटाने का मिशन' स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल को सौंपा. शिकायत में कहा गया, 'यह विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटाने की एक दुर्भावनापूर्ण साजिश है. राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया से जुड़ी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग फुटेज को तुरंत सुरक्षित किया जाना चाहिए और संरक्षित रखा जाना चाहिए, क्योंकि इसमें अहम साक्ष्य मौजूद हैं.' विपक्षी दलों ने पुलिस से मांग की कि राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी विशेष पुनरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए 'दोषियों और साजिशकर्ताओं' के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाए. रायजोर दल के प्रमुख और शिवसागर से विधायक अखिल गोगोई ने सबसे पहले इस 'खतरनाक योजना' की ओर ध्यान दिलाया था. शुक्रवार को उन्होंने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर 4 जनवरी की वर्चुअल बैठक और 'मतदाता सूची प्रबंधन' से जुड़े मुद्दे की उच्चस्तरीय, स्वतंत्र जांच की मांग की. उन्होंने आयोग से भाजपा नेतृत्व से जुड़े सभी डिजिटल रिकॉर्ड और संचार लॉग सुरक्षित करने, 'प्रति विधानसभा क्षेत्र 10,000 वोट' संबंधी निर्देश की जांच करने, राज्यभर में पिछले तीन महीनों में दाखिल सभी फॉर्म-7 (नाम शामिल करने पर आपत्ति) आवेदनों का गहन ऑडिट कराने और मामले के निपटारे तक विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की।

भाजपा ने कहा- बदनाम करने की साजिश

भाजपा ने अखिल गोगोई के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विधायक ने गोलाघाट जिले के सरुपथार विधानसभा क्षेत्र के उरियामघाट इलाके से बेदखल किए गए 11,000 मुसलमानों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के मामले को तोड़-मरोड़ कर पेश किया है. भाजपा प्रवक्ता जयंत कुमार गोस्वामी ने कहा कि रायजोर दल प्रमुख ने इन 'मियाओं' (बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला एक अपमानजनक शब्द) के नाम हटने से रोकने के लिए दिलीप सैकिया के खिलाफ बदनाम करने का अभियान छेड़ा है. उन्होंने कहा, 'विपक्षी दलों ने भाजपा अध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर इस साजिश को हवा दी है और 'मिया तुष्टिकरण' में लिप्त हैं, जिससे उनकी आदिवासी-विरोधी मानसिकता उजागर होती है.' वहीं, दिलीप सैकिया ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया. उन्होंने कहा, 'नाम जोड़ने और हटाने का काम निर्वाचन आयोग करता है. विपक्ष में इतनी सामान्य समझ भी नहीं है. उन्होंने यही कोशिश बिहार में भी की थी, लेकिन वह पूरी तरह विफल रही.' उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा होते हैं. सैकिया ने कहा, 'मतदाता सूची में ऐसे लोगों के नाम दशकों से बने हुए हैं, जिनकी 30 साल पहले मृत्यु हो चुकी है. ऐसे लोग भी हैं जो स्थान बदल चुके हैं या पिछले चार चुनावों से मतदान के लिए नहीं आए हैं. इन मामलों में मतदाता सूची को ठीक करना निर्वाचन आयोग और जनता - दोनों की जिम्मेदारी है. हम एक सही और शुद्ध मतदाता सूची चाहते हैं।'

किस आधार पर दर्ज की FIR? दिल्ली विधानसभा स्पीकर का पंजाब पुलिस को नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही के कथित छेड़छाड़ वाले वीडियो पर जालंधर में दर्ज एफआईआर का मामला गरमाया हुआ है. अब इस मामले मेंपंजाब के डीजीपी, जालंधर पुलिस कमिश्नर और स्पेशल डीजीपी साइबर सेल को नोटिस जारी किए गए हैं. दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कि उन्हें 48 घंटे के भीतर लिखित स्पष्टीकरण और सभी संबंधित दस्तावेज पेश करने के लिए कहा गया है. विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने जालंधर में स्नढ्ढक्र दर्ज किए जाने के मामले में औपचारिक नोटिस जारी किया है, जो विधानसभा कार्यवाहियों की कथित छेड़छाड़ वाले वीडियो क्लिप से संबंधित है. नोटिस में कहा गया है कि सदन पहले से ही इस मामले से अवगत है और वीडियो क्लिप को फॉरेंसिक जांच और विशेषाधिकार समिति के पास भेजा गया है।

सदन की गरिमा और विशेषाधिकारों से जुड़ा है मामला

नोटिस में पंजाब पुलिस की इस मामले में संलिप्तता पर अध्यक्ष की चिंता व्यक्त की गई

है और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत स्पष्टीकरण एवं आवश्यक दस्तावेज़ मांगे गए हैं. यह मामला अत्यंत गंभीर और संवैधानिक महत्व का है और सीधे सदन की गरिमा और विशेषाधिकारों से जुड़ा है. उन्होंने कहा कि यह मुद्दा किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है. विजेंद्र गुप्ता ने कहा, जिस वीडियो के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है, वह किसी व्यक्तिगत रिकॉर्डिंग नहीं, बल्कि सदन की आधिकारिक रिकॉर्डिंग है, जो पूरी तरह से दिल्ली विधानसभा की संपत्ति है. सदन की संपत्ति का इस प्रकार दुरुपयोग करना और इस आधार पर किसी मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि बहुत गंभीर और निंदनीय भी है।

किस आधार पर दर्ज की गई है एफआईआर?

विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि सदन की कार्यवाहियों की कोई भी रिकॉर्डिंग केवल सदन की संपत्ति है और किसी राजनीतिक दल, व्यक्ति या बाहरी एजेंसी की नहीं है. उन्होंने यह प्रश्न उठाया कि इस एफआईआर को किस अधिकार और किस आधार पर दर्ज किया गया. पूरे प्रकरण में जालंधर के पुलिस कमिश्नर की भूमिका अत्यंत चिंताजनक है और यह प्रथम दृष्टया सदन के विशेषाधिकारों का उल्लंघन प्रतीत होता है. इसलिए उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का स्पष्ट मामला बनता है, जिसे सदन गंभीरता से देखेगा. विधानसभा अध्यक्ष ने आगे कहा, विपक्ष की मांग पर और पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए वीडियो क्लिप को फॉरेंसिक साइंस लैब भेजा गया. हालांकि, सदन की आधिकारिक रिकॉर्डिंग को छेड़छाड़ की गई बताना स्वयं में सदन की गरिमा पर हमला है. यह केवल झूठा आरोप नहीं है, बल्कि एक सुनियोजित साजिश प्रतीत होती है, जिसका उद्देश्य सदन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना है. इस साजिश में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल पाए जाने वाले सभी लोग सदन की कठोरतम कार्रवाई का सामना करेंगे।

'चुनाव आते ही एक्टिव हो जाती है ED', कपिल सिब्बल बोले- विपक्ष को डराने के लिए BJP ने दी खुली छूट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की कार्रवाई को लेकर राजनीति गरमाई हुई है. इसी बीच इस कार्रवाई को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि आज उन्हें यूपीए सरकार का 2004 से 2014 तक का कार्यकाल याद आ गया. आज जिस तरह अखबारों में खबरें छप रही है वैसी हमने उन 10 सालों में नहीं देखीं है, क्योंकि हमने ईडी को इतनी खुली छूट नहीं थी.

कपिल सिब्बल ने कहा कि उस दौरान किसी भी राजनीतिक दल या नेता पर झूठी जानकारी के आधार पर मुकदमा नहीं चलाया था. उन्होंने कहा कि जब प्रवर्तन निदेशालय (ED) का गठन हुआ था, तब यह नहीं पता था कि इसे एक सर्वव्यापी अभियोजन एजेंसी बना दिया जाएगा, जो भारत में कहीं भी, कभी भी जा सकती है और पूरे संघीय ढांचे पर इस तरह से हमला कर सकती है. उन्होंने कहा कि बीजेपी ईडी का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए कर रही है।

ममता को परेशान करने के लिए

श्वष्ठ का इस्तेमाल

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि चुनाव आते ही जांच एजेंसियों को अचानक दस्तावेजों की याद आ जाती है. सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई का मामला उठाया. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जहां भाजपा चुनाव नहीं जीत सकती, वहां ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (TMC) को परेशान करने के लिए ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है. उन्होंने सवाल उठाया कि कोई भी जांच एजेंसी किसी दफ्तर में जाकर सभी फाइलें कैसे ले जा सकती है. अगर कोयला घोटाले की जांच करनी है तो उससे जुड़ी फाइलें लें, लेकिन हर फाइल ले जाना किस अधिकार में है? किसी भी जांच एजेंसी को ऐसा करने का हक नहीं है।

राज्य और केंद्र के बीच जानबूझकर टकराव किया पैदा

कपिल सिब्बल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश में कहीं भी एफआईआर दर्ज होते ही ईडी वहां पहुंच जाती है. श्वष्ठ सिर्फ चुनाव के समय ही ऐसे राज्यों में पहुंचती है. बीजेपी ईडी का इस्तेमाल कर राज्य और केंद्र के बीच जानबूझकर विवाद पैदा करने का काम कर रही है. भाजपा की श्वष्ठ का उद्देश्य कानून लागू करना नहीं, बल्कि विपक्षी नेताओं को डराना और परेशान करना है. यह टकराव की स्थिति पैदा करना चाहते हैं जो सरासर गलत है।

कोयला घोटाले में अचानक कार्रवाई क्यों?

कपिल सिब्बल ने कहा कि कोयला घोटाला कोई नया मामला नहीं है, यह कई वर्षों से चल रहा है। फिर अब ही अचानक कार्रवाई क्यों? आखिर सरकार पश्चिम बंगाल में जीतने के लिए किस हद तक जाएगी. यूपीए कार्यकाल में कभी ऐसा नहीं हुआ था, लेकिन बीजेपी जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है. चुनाव को चुनाव की तरह ही लड़ा जाना चाहिए. बीजेपी का यह रवैया गलत है।

संक्षिप्त ख़बरें

ट्रंप प्लान का खुलासाः रिमोट कंट्रोल कॉलोनी बनेगा वेनेजुएला, मार्को रुबियो बनेंगे 'वायसरॉय'!

विदेश मामलों के विशेषज्ञ रॉबिंदर सचदेव ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि अमेरिका की योजना वेनेजुएला को एक तरह से 'रिमोट कंट्रोल कॉलोनी' बनाने की है, जहां सत्ता भले वेनेजुएला सरकार के पास दिखे, लेकिन असली नियंत्रण अमेरिका के हाथ में होगा। सचदेव ने कहा कि अमेरिका वेनेजुएला के तेल को वैश्विक बाजार में खुद बेचना चाहता है और इस पूरे सिस्टम की निगरानी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो जैसे नेता करेंगे, जो एक तरह से 'वायसरॉय' की भूमिका निभाएंगे। अमेरिकी और यूरोपीय तेल कंपनियों को वहां निवेश के लिए दबाव डाला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर कीमतें अनुकूल रहीं तो भारत के लिए वेनेजुएला का तेल एक व्यवहारिक विकल्प हो सकता है। खासतौर पर रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी जैसी भारतीय रिफाइनरियां वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल (Heavy Crude) को प्रोसेस करने में सक्षम हैं, जिससे पेट्रोल, डीजल, नाफ्था और हीटिंग ऑयल जैसे कई उत्पाद निकाले जा सकते हैं। सचदेव के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ऊर्जा सचिव और आंतरिक मामलों के सचिव के जरिए तेल कंपनियों को यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा है कि वेनेजुएला में निवेश सुरक्षित और मुनाफे वाला होगा। हालांकि कई कंपनियां अभी हिचकिचा रही हैं, क्योंकि वहां तेल क्षेत्र को दोबारा खड़ा करने के लिए 60 से 200 अरब डॉलर तक के निवेश की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि तेल उद्योग लोकतांत्रिक या भू-राजनीतिक मूल्यों से नहीं, बल्कि मुनाफे और शेयरधारकों के लाभ से चलता है। यही वजह है कि ट्रंप वेनेजुएला को स्थिरता और भारी मुनाफे का सपना दिखाकर निवेश खींचने की कोशिश कर रहे हैं। शुक्रवार को ट्रंप ने व्हाइट हाउस में तेल और गैस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर वेनेजुएला के ऊर्जा क्षेत्र में बड़े निवेश को लेकर कहा कि 'यहां से बहुत पैसा बनेगा।' विशेषज्ञों के अनुसार, यह पूरी रणनीति वेनेजुएला के संसाधनों पर लंबे समय तक अमेरिकी नियंत्रण की ओर इशारा करती है।

कुलदीप सेंगर के समर्थक मेरा चरित्र हनन कर रहे, ऐश्वर्या को नेता बनाया जा रहा... उन्नाव रेप पीड़िता का छलका दर्द

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव रेप कांड की पीड़िता का एक वीडियो आया सामने आया है. इसमें उसने कुलदीप सेंगर के परिवार और समर्थकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं. पीड़िता का कहना है, कुलदीप सिंह सेंगर के समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर मेरी पहचान उजागर की जा रही है. सेंगर के समर्थक मेरा चरित्र हनन कर रहे हैं. कहा जा रहा है कि मेरे पास ठोस सबूत है तो उनको सामने लाया जाया. पीड़िता ने कुलदीप सिंगर की बेटी ऐश्वर्या सेंगर को लेकर भी चौंकाने वाली बात कही है. आइए जानते हैं कि उसने क्या-क्या कहा है. पीड़िता कहती है, 11 दिसंबर को दिल्ली में जंतर-मंतर पर जाति विशेष समाज द्वारा धरना प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है. ये कोई प्रदर्शन नहीं बल्कि शक्ति प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है. ये

प्रदर्शन देश के मुख्य न्यायाधीश को डराने का मात्र एक प्रयास है. सेंगर के समर्थक चाहते हैं कि चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डर जाएं और हमारे फेवर में फैसला कर दें।

यह सब बंद कर दें, मेरी भी एक बेटी और बेटा है

इसके आगे पीड़िता कहती है, कुलदीप सिंह की बेटी ऐश्वर्या सेंगर को नेता बनाया जा रहा है. वो अपने इंटरव्यू को सनसनीखेज बना रही है. ऐश्वर्या कहती है कि हमारे परिवार में मात्र चार लोग हैं. अगर चार लोग हैं तो इतने लोग निकल-निकलकर कहां से आ रहे हैं. पीड़िता ने कहा, मेरा मानसिक बलात्कार करना बंद करो. अगर आप लोग चाहते हैं कि हम इस दुनिया में जिंदा रहे तो यह सब करना बंद कर दें. मेरी भी एक बेटी और एक बेटा है।

AI से मेरी फोटो का गलत इस्तेमाल किया जा रहा

इससे पहले भी पीड़िता सेंगर परिवार और उसके समर्थकों पर ऐसा ही आरोप लगा चुकी है. बीते दिनों वो बसंत कुंज थाने पहुंची थी. वो 16 अप्रैल को दी गई शिकायत के बारे में जानकारी लेने गई थी. इस दौरान पीड़िता ने कहा था, मेरी सोशल मीडिया आईडी को हैक कर,ढ्ढ के जरिए मेरी और मेरी ससुराल की पहचान को उजागर कर गलत कमेंट्स लिखे जा रहे हैं. AI से मेरी फोटो का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है. मैं और मेरी ससुराल वाले डरे हुए हैं।

कैग की रिपोर्ट में सामने आई मोदी सरकार की कौशल विकास योजना की गंभीर ख़ामियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली– उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन देने के उद्देश्य से चलाई जा रही मोदी सरकार की प्रमुख योजना प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के क्रियान्वयन में गंभीर खामियां सामने आई हैं. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की प्रदर्शन ऑडिट रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है. रिपोर्ट के अनुसार, राज्यों में योजना के तहत दर्ज 94.53% लाभार्थियों के बैंक खाते विवरण या तो शून्य दर्ज हैं, खाली छोड़े गए हैं या उपलब्ध ही नहीं हैं. इसके अलावा लाभार्थियों की तस्वीरों की नकल, अमान्य या बार-बार दोहराए गए मोबाइल नंबर जैसी गंभीर अनियमितताएं भी पाई गई हैं. कैग का यह ऑडिट एमएसडीई, एनएसडीसी और आठ राज्यों- असम, बिहार, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में किया गया था. रिपोर्ट शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में पेश की गई थी. कैग ने यह भी पाया कि विशिष्ट नौकरी भूमिकाओं के लिए बाज़ार की मांग का कोई ठोस आकलन नहीं किया गया, और न ही उसके अनुरूप प्रशिक्षण दिया गया. इसका नतीजा यह रहा कि योजना के तहत कुल प्लेसमेंट दर केवल 41% रही. रिपोर्ट में कहा गया है कि कई मामलों में योजना के दिशानिर्देशों में तय आयु, शिक्षा और कार्य-अनुभव से जुड़े मानदंडों को नजरअंदाज करते हुए उम्मीदवारों को प्रशिक्षण के लिए नामांकित किया गया।

ऑडिट में राज्य घटक (component) के तहत फंड जारी करने में देरी और उनके उपयोग न होने, साथ ही केंद्रीय घटक के तहत 222.63 करोड़ रुपये की राशि के आकलन और स्थानांतरण में भी त्रुटियां और देरी पाई गई. कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) की यह योजना जुलाई 2015 में शुरू की गई थी. 2015 से 2022 के बीच पीएमकेवीवाई के तीन चरण लागू किए गए, जिन पर लगभग 4,450 करोड़ रुपये खर्च हुए और 1.32 करोड़ उम्मीदवारों को कौशल प्रशिक्षण या प्रमाणन देने का लक्ष्य रखा गया. योजना का संचालन केंद्रीय और राज्य घटकों के माध्यम से किया गया, जिसमें 75% लक्ष्य और बजट राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और 25% राज्य कौशल विकास मिशनों को आवंटित किए गए।

अमान्य बैंक खाते, ईमेल और मोबाइल नंबर

पीएमकेवीवाई दिशानिर्देशों के अनुसार प्रमाणन के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को 500 रुपये की राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के जरिए दी जानी थी, जिसके लिए वैध बैंक खाता जरूरी है. लेकिन पीएमकेवीवाई 2.0 और 3.0 के आंकड़ों के विश्लेषण में पाया गया कि 95.9 लाख प्रतिभागियों में से 90.66 लाख के बैंक खाते विवरण शून्य, 'नल', 'एनए' या खाली दर्ज थे. रिपोर्ट में कहा गया है कि शेष 5,24,537 उम्मीदवारों में से 12,122 बैंक खाता नंबर 52,381 प्रतिभागियों के लिए दो या उससे अधिक बार दर्ज पाए गए. रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन मामलों में प्रत्येक उम्मीदवार के लिए अलग-अलग बैंक खाते दर्ज थे (कुल 4,72,156 विशिष्ट खाते), उनमें भी स्पष्ट रूप से गलत खाता नंबर पाए गए, जैसे '11111111111...', '123456...', एक अंक वाले खाता नंबर, या केवल टेक्स्ट, नाम, पता अथवा विशेष चिन्ह. रिपोर्ट के मुताबिक, इसलिए पीएमकेवीवाई 2.0 और 3.0 के खाते से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण योजना के प्रतिभागियों की पहचान को लेकर पर्याप्त भरोसा नहीं देता. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मंत्रालय ने कैग को बताया था कि सिर्फ़ शुरुआत में ही बैंक खाते का विवरण अनिवार्य किया गया था और बाद में भुगतान आधार सीडिंग के आधार पर किया गया, जिससे राशि सीधे आधार से जुड़े बैंक खातों में भेजी जाती है और अलग से बैंक खाता नंबर लेने की ज़रूरत नहीं रहती।

मंत्रालय ने कैग को बताया कि बाद में भुगतान आधार-सीडिंग के जरिए किया गया, लेकिन ऑडिट में पाया गया कि 2023 में केवल 25.58% मामलों में ही डीबीटी भुगतान प्रोसेस हुआ, और इनमें से सिर्फ 18.44% भुगतान सफल रहे. अक्टूबर 2024 तक यह आंकड़ा बढ़कर 63.75% हुआ. रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि बड़ी संख्या में अमान्य ईमेल आईडी जैसे abc@gmail.com, vwx@gmail.com या केवल अंकों वाले ईमेल दर्ज थीं. वहीं 36,49,344 उम्मीदवारों के मामलों में 'Candidate_Email' वाला कॉलम 'माइग्रेटेड डेटा' के रूप में दर्ज पाया गया. कई मोबाइल नंबर 10 अंकों से कम, बार-बार दोहराए गए या स्पष्ट रूप से गलत पाए गए. जब ऑडिट में अक्टूबर 2024 तक के अपडेटेड पीएमकेवीवाई डेटा के तहत 9.45 लाख प्रमाणित उम्मीदवारों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया, तब इसमें अब भी अमान्य (175) और दोहराए गए (2,263) मोबाइल नंबर पाए गए. रिपोर्ट में कहा गया कि इसके अलावा 2.72 लाख से अधिक मामलों में ईमेल पते 'नल' दर्ज थे और 3.08 लाख से अधिक मामलों में ईमेल पते दोहराए गए थे. इससे साफ होता है कि मई 2023 में मंत्रालय द्वारा जिन आवश्यक आईटी नियंत्रणों का आश्वासन दिया गया था, वे अब तक पूरी तरह लागू नहीं हो पाए हैं।

तस्वीरों की नकल

पीएमकेवीवाई-आरपीएल (पूर्व शिक्षण की मान्यता) के दिशानिर्देशों में प्रमाणन प्रक्रिया की उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें और वीडियो अपलोड करने का प्रावधान है, जिसमें उम्मीदवारों की बैचवार तस्वीरें भी शामिल हैं. लेकिन ऑडिट में ऐसे मामले सामने आए, जहां एक ही तस्वीरें अलग-अलग राज्यों में इस्तेमाल की गई. उदाहरण के तौर पर- ऑडिट में पाया गया कि नीलिमा मूविंग पिक्चर्स (एनएमपी) नामक एक नियोक्ता, जो कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज़ में पंजीकृत नहीं था, ने जनवरी 2020 से नवंबर 2020 के बीच आठ राज्यों में 21 जॉब रोल्स के लिए 33,493 प्रतिभागियों (कर्मचारियों) को मीडिया एंड एंटरटेनमेंट सेक्टर स्किल काउंसिल के माध्यम से कौशल प्रमाणन दिया. हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑडिट प्रक्रिया (3 अक्टूबर 2022) के दौरान एनएमपी अस्तित्व में ही नहीं पाया गया. इसके जवाब में संबंधित सेक्टर स्किल काउंसिल ने अक्टूबर 2022 में बताया कि यह इकाई कोविड-19 के दौरान बंद हो गई थी।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि सेक्टर स्किल काउंसिल (एसएससी) द्वारा उपलब्ध कराए गए 24 बैचों की तस्वीरों के विश्लेषण से यह सामने आया कि एनएमपी ने अलग-अलग राज्यों के अलग-अलग बैचों में किए गए कौशल प्रमाणन के लिए एक ही तस्वीरों को साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया. मंत्रालय द्वारा मई 2023 में दिए गए नए साक्ष्यों की दोबारा जांच में पाया गया कि इन 24 बैचों के 812 उम्मीदवारों में से केवल 694 के प्रोफाइल फोटो और महज 132 उम्मीदवारों के आधार विवरण उपलब्ध थे. इसके अलावा, 58 प्रोफाइल तस्वीरों में भी इसी तरह की कॉपी पाई गई. रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पीएमकेवीवाई के तहत विभिन्न जॉब रोल्स के लिए पंजीकृत कई प्रशिक्षण केंद्र (ट्रेनिंग सेंटर्स) ऑडिट के दौरान बंद पाए गए. मंत्रालय/एनएसडीसी द्वारा सितंबर 2022 में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, योजना के तहत करीब 14,800 प्रशिक्षण केंद्र विभिन्न कौशल प्रशिक्षण परियोजनाओं में शामिल थे. प्रदर्शन ऑडिट के दौरान चयनित राज्यों में 90 प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण किया गया और प्रशिक्षण ले रहे 1,045 उम्मीदवारों का सर्वे भी किया गया, ताकि बुनियादी ढांचे की उपलब्धता की जांच हो सके. हालांकि, निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि बिहार में 10 में से 3 प्रशिक्षण केंद्र और ओडिशा में 17 में से 1 प्रशिक्षण केंद्र सर्वे के समय बंद थे।

प्लेसमेंट दर सिर्फ 41

रिपोर्ट में पाया गया कि विशिष्ट नौकरी भूमिकाओं के लिए बाज़ार की मांग का कोई ठोस आकलन नहीं किया गया और न ही उसके अनुरूप प्रशिक्षण दिया गया. इसका नतीजा यह रहा कि योजना के तहत कुल प्लेसमेंट दर केवल 41% रही. पीएमकेवीवाई के कौशल प्रशिक्षण डेटा के विश्लेषण से पता चला कि एसटीटी/एसपी घटक के तहत 724 जॉब रोल्स में कुल 56.14 लाख उम्मीदवारों को प्रमाणन दिया गया. इनमें से करीब 40% प्रमाणन केवल 10 जॉब रोल्स तक सीमित रहे, जो मुख्य रूप से परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स, रिटेल, लॉजिस्टिक्स, आईटी, निर्माण, टेलीकॉम और स्वास्थ्य जैसे कुछ ही क्षेत्रों से जुड़े थे. रिपोर्ट में कहा गया कि मई 2023 में मंत्रालय ने कम प्लेसमेंट दर के लिए कोविड-19 के बाद की आर्थिक अनिश्चितता को जिम्मेदार ठहराया था।

इस्तेमाल नहीं हुई राशि

ऑडिट में पाया गया कि योजना के लिए जारी की गई राशि का पूरा उपयोग नहीं किया गया. हालांकि मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान कामकाज में बाधा आई, लेकिन ऑडिट के मुताबिक 2016 से 2024 के बीच पीएमकेवीवाई 2.0 और 3.0 के तहत राज्यों को जारी 1,380.87 करोड़ रुपये में से मार्च 2024 तक केवल 20.09% (277.40 करोड़) राशि खर्च ही नहीं हो पाई. रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि कोविड से पहले की अवधि (2016-19) में जारी 757.82 करोड़ रुपये में से केवल 149.85 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए।

दुनिया के लिए मुसीबत बन रहे हैं डोनाल्ड ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में आने के बाद अमेरिकी जनता से यूक्रेन युद्ध रुकवाने का वादा किया था. लेकिन नया साल शुरू होते ही उनके कदम दुनिया में शांति के बजाय तनाव और टकराव को बढ़ाते नजर आ रहे हैं. यूक्रेन युद्ध अभी खत्म भी नहीं हुआ कि मिडिल ईस्ट में आग भड़क चुकी है. इस बीच अब अमेरिका-रूस के बीच सीधा टकराव वैश्विक चिंता का कारण बन गया है. सवाल उठने लगा है कि क्या ट्रंप दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की तरफ धकेल रहे हैं?हाल ही में अमेरिका ने उत्तरी अटलांटिक महासागर में रूसी झंडे वाले तेल टैंकर 'मरीनेरा' को जब्त कर लिया है. यह कार्रवाई अमेरिकी कोस्ट गार्ड और सेना के संयुक्त ऑपरेशन में की गई. अमेरिकी दावा है कि यह टैंकर प्रतिबंधों का उल्लंघन कर अवैध रूप से वेनेजुएला का तेल ले जा रहा था. यह वही टैंकर है जिसका पुराना नाम 'बेला-1' था और जिस पर 2024 में अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए थे. बाद में इसका नाम बदलकर मरीनेरा कर दिया गया. आपको बता दें अमेरिकी साम्राज्यवाद, जिसे अक्सर सैन्य विस्तार, आर्थिक प्रभुत्व और सांस्कृतिक प्रभाव के मिश्रण के रूप में समझा जाता है, आज प्रत्यक्ष उपनिवेशवाद की जगह नीतिगत दबाव, वैश्विक संस्थानों, तकनीकी व वित्तीय ताकत के जरिए संचालित होता है। भारत के संदर्भ में यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि भारत एक ओर उभरती महाशक्ति है, तो दूसरी और अपने ऐतिहासिक गुटनिरपेक्ष रुख और रणनीतिक स्वायत्तता पर गर्व करता है। बहरहाल, भारत और अमेरिका के रिश्ते इस वक्त ऐसी ढलान पर हैं जहां तनाव हर बीतते दिन के साथ गहराता जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत के खिलाफ तीखी बयानबाजी और टेरिफ बढ़ाने की धमकियां अब सिर्फ जुबानी नहीं रही। बात अब अमेरिकी संसद तक पहुंच गई। दरअसल अमेरिकी सीनेट में एक ऐसा कानून आने वाला है जो भारत के लिए काफी भारी पड़ सकता है। वो ऐसे कि अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंध अधिनियम 2025 लाने की तैयारी है। यह बिल अमेरिका के दो सीनेटरों- लिंसे ग्राहम और रिचर्ड लुमथन ने मिलकर तैयार किया है। जिसे व्हाइट हाउस की हरी झंडी मिल चुकी है। मकसद साफ है रूस की आर्थिक नसों को काटना। लेकिन इसकी चपेट में भारत भी आता दिखाई दे रहा है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत ने रूस से जमकर सस्ता कच्चा तेल खरीदा है। लेकिन अब अमेरिका इसे बर्दाश्त करने के मूड में नहीं। इस नए बिल के तहत एक बेहद खतरनाक प्रावधान जोड़ा गया है। अगर रूस शांति वार्ता के लिए नहीं झुकता तो रूस से तेल, गैस या यूरेनियम खरीदने वाले देशों पर अमेरिका 500 प्रतिशत तक का टेरिफ लगा सकता है। भारत पर अमेरिका ने पहले ही रूसी तेल को लेकर अतिरिक्त टेरिफ लगाए हैं। दूसरी ओर, लंबे समय से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता और व्यापारिक तनाव के बावजूद, ट्रंप प्रशासन ने चीन के साथ व्यवहार में सावधानी बरती है। इसका एक प्रमुख कारण दुर्लभ खनिजों, इलेक्ट्रिक वाहनों में प्रयुक्त महत्वपूर्ण घटकों, सेमीकंडक्टर, रक्षा उपकरणों और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर बीजिंग का प्रभुत्व है। भले ही चीन रूसी तेल का दुनिया का सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है, लेकिन उस पर अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाए गए हैं। इसके बजाय, राष्ट्रपति ट्रंप ने चीनी आयात पर नए शुल्क को स्थगित कर दिया, जिससे शुल्क 30 प्रतिशत पर बना रहा, जो भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए शुल्क से काफी कम है। इसके विपरीत, भारत के पास चीन जैसी रणनीतिक ताकत नहीं है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से नई दिल्ली रियायती दरों पर रूसी तेल का एक प्रमुख खरीदार बन गया है, लेकिन महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं पर चीन की तरह उसका कोई दबदबा नहीं है। ट्रंप ने भारत की व्यापार नीतियों पर बार-बार असंतोष जताया है और नई दिल्ली पर अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च शुल्क और बाधाएं बनाए रखने का आरोप लगाया है। कुल 50 प्रतिशत के ये शुल्क भारत द्वारा रूसी तेल की भारी मात्रा में खरीद के कारण लगाए गए हैं, जिसे अमेरिका यूक्रेन संघर्ष के बीच रूस की अर्थव्यवस्था को समर्थन देने वाला मानता है। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि रूस से तेल खरीदने पर भारत पर लगाए गए उच्च शुल्क को लेकर प्रधानमंत्री मोदी नाखुश हैं। हाउस ऑफ रिपब्लिकन पार्टी के सदस्यों की बैठक में ट्रंप ने कहा कि हालांकि संबंध सौहार्दपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन शुल्क के मुद्दे ने तनाव पैदा कर दिया है। कहना न होगा कि अमेरिकी साम्राज्यवाद का स्वरूप अक्सर 'नियम-निर्माण' के माध्यम से दिखाई देता है, जिनमें व्यापार शर्तें, बौद्धिक संपदा अधिकार, डिजिटल शासन, और वित्तीय संस्थानों में प्रभाव शामिल हैं। भारत पर कभी-कभी व्यापार घाटे, डेटा स्थानीयकरण, दवा पेटेंट या मानवाधिकार जैसे मुद्दों पर दबाव देखा गया है। प्रतिबंधों की राजनीति और डॉलर आधारित वित्तीय व्यवस्था भी विकासशील देशों की नीतिगत स्वतंत्रता को सीमित कर सकती है। सांस्कृतिक स्तर पर भी अमेरिकी प्रभाव, हॉलीवुड, उपभोक्तावाद, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म-भारतीय समाज में आकांक्षाओं और जीवनशैली को प्रभावित करता है। यह प्रभाव अपने साथ अवसर और जोखिम दोनों लाता है- नवाचार, अभिव्यक्ति और वैश्विक जुड़ाव के अवसर, पर साथ ही स्थानीय भाषाओं, कलाओं और श्रम-संरचनाओं पर दबाव भी। ऐसे में, भारत की चुनौती यहां संतुलन साधने की है। एक ओर चीन जैसी आक्रामक शक्ति के बीच अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग भारत की सुरक्षा चिंताओं के लिए उपयोगी है। दूसरी ओर, किसी एक शक्ति ध्रुव पर अत्यधिक निर्भरता भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को कमजोर कर सकती है। इसलिए भारत बहुध्रुवीय विश्व का समर्थक रहा है, जहां अमेरिका, यूरोप, रूस, एशिया और वैश्विक दक्षिण सभी की भूमिका हो। नीति-निर्माण में आत्मनिर्भरता, विनिर्माण क्षमता, तकनीकी नवाचार और दक्षिण-दक्षिण सहयोग जैसे कदम अमेरिकी प्रभुत्व के संभावित नकारात्मक प्रभावों को संतुलित कर सकते हैं। साथ ही, लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन और मानवाधिकारों पर भारत का अपना दृष्टिकोण होना चाहिए। बदलते वैश्विक माहौल में अमेरिका खुद दुनिया के सामने मुसीबत के बीज बो रहा है और डोनाल्ड ट्रम्प इस सारे विवाद को जन्म दे रहे हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

सत्य का अंतिम सत्य संकल्प,साहस, श्रम और सफलता

सत्य का अंतिम रूप साहस, श्रम और सफलता से होकर गुजरता है और यह बात पूर्णतः सही है कि सत्य परेशान किया जा सकता है पराजित नहीं, क्योंकि यदि सत्य और सच्चाई न होती तो मानव जीवन का अस्तित्व ही संभव न होता; पहाड़, झरने, नदियाँ, जंगल, पृथ्वी और प्रकृति के संतुलन से लेकर मनुष्य और अन्य जीवों तक सब कुछ प्राकृतिक सत्य की ही उपज है, परंतु यह भी उतना ही सच है कि मनुष्य अपने लालच, इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं और स्वार्थ के कारण त्वरित लाभ पाने के लिए झूठ, छल और दिखावे का सहारा लेकर जीवन की गहराइयों में उतर जाता है, जबकि अंततः सत्य ही अंतिम विजय प्राप्त करता है, किंतु आज की परिस्थितियों में सच्चाई जीवन के लगभग हर क्षेत्र से दूर होती जा रही है और जब हम स्वयं भ्रम में जी रहे हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम कौन से नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्य सौंप पाएंगे, यह एक गंभीर प्रश्न बन गया है; आज के उत्तर आधुनिक समाज में उपभोक्तावादी सोच इतनी हावी हो चुकी है कि भौतिक साधनों और सुखों की प्राप्ति ही जीवन का एकमात्र लक्ष्य मान ली गई है, जिसके लिए झूठ, फरेब और साजिशें सामान्य व्यवहार बनती जा रही हैं, जबकि प्राचीन समय में समाज आत्मिक, सांस्कृतिक और मानवीय मूल्यों पर आधारित था, पर विकास की बदली हुई परिभाषा ने समाज को इस मोड़ पर ला खड़ा किया है जहाँ भौतिकता सर्वोपरि हो गई है और इसके परिणामस्वरूप आपसी रिश्तों की गर्माहट, भरोसा और संवेदनशीलता तेजी से समाप्त होती जा रही है; आज स्थिति यह है कि सत्य बोलना एक सामान्य आचरण न होकर कठिन साधना जैसा हो गया है, जबकि महात्मा गांधी ने अपने जीवन और विचारों में सत्य और अहिंसा को ही सामाजिक और नैतिक उत्थान का आधार माना था और उनका विश्वास था कि यदि व्यक्ति सत्य के प्रति निष्ठावान हो जाए तो समाज अपने आप ऊँचे स्तर तक पहुँच सकता है, क्योंकि सत्य और संयम व्यक्ति को आत्मबल, स्वाभिमान और आत्मसम्मान प्रदान करते हैं, वहीं असत्य मनुष्य को भीतर से कमजोर और अपराधबोध से ग्रस्त करता है; कबीरदास जैसे संतों ने भी सत्य को ईश्वर के समान माना और समाज को झूठ से दूर रहने की सीख दी, क्योंकि झूठ केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे समाज को विकृत करता है और यही कारण है कि असत्य को सभी बुराइयों की जड़ माना गया है, आज भौतिक सुखों की अंधी दौड़ में पारिवारिक और सामाजिक रिश्ते केवल औपचारिक बनकर रह गए हैं और मनुष्य अपनी सुविधा और सफलता के लिए बिना संकोच झूठ का सहारा ले रहा है, जिससे सामाजिक व्यवहार में असंवेदनशीलता और अविश्वास बढ़ता जा रहा है; नैतिकता और अनैतिकता के बीच की महीन रेखा को पहचानने की क्षमता कमजोर पड़ती जा रही है और मनुष्य किसी भी साधन को सही ठहराने लगा है यदि उससे उसे लाभ मिलता हो, परिणामस्वरूप समाज में असंतुलन, विघटन और संबंधों का क्षय साफ दिखाई देता है; इतिहास भी गवाह है कि जब-जब समाज ने सत्य और नैतिकता से दूरी बनाई है तब-तब पतन की प्रक्रिया तेज हुई है, आज जब भौतिक संपन्नता को ही सफलता का मापदंड बना लिया गया है तब मानवीय संबंध, संवेदनाएं और सामाजिक जिम्मेदारियाँ पीछे छूटती जा रही हैं और नैतिक मूल्यों की परंपरा लगभग समाप्ति की ओर है, ऐसे समय में यदि सत्य, संयम और ईमानदारी को जीवन का आधार नहीं बनाया गया तो भारतीय समाज भी धीरे-धीरे उस दिशा में बढ़ जाएगा जहाँ रिश्ते, संवेदना और मानवीय गरिमा केवल शब्दों तक सीमित रह जाते हैं, और तब हम केवल पछतावे के सिवा कुछ नहीं कर पाएंगे; आज नैतिकता दूसरों को उपदेश देने की वस्तु बन चुकी है जबकि स्वयं के आचरण में उसका अभाव दिखाई देता है, मनुष्य जो स्वयं सामाजिक व्यवस्था का निर्माता है वही अब लोभ, आलस्य और संग्रह की प्रवृत्ति में फँसकर कम मेहनत में अधिक लाभ पाने के लिए झूठ और धोखे को सामान्य मानने लगा है, जो भारतीय सामाजिक ढाँचे के लिए शुभ संकेत नहीं है और यदि समय रहते सत्य आधारित जीवन दृष्टि को नहीं अपनाया गया तो सामाजिक और मानवीय मूल्यों का क्षरण और तेज होता चला जाएगा।

संजीव ठाकुर

देवनागरी से डिजिटल मस्तिष्क तक: हिंदी की सभ्यतागत यात्रा

[एआई को मानवीय बनाने की भाषा: हिंदी का वैश्विक दायित्व]

[विश्व मंच पर भारत की आवाज़: हिंदी, एआई और मानवीय मूल्य]

जब कोई भाषा युगों की चेतना को समेटे हुए भविष्य की तकनीक से संवाद करने लगे, तब वह केवल संप्रेषण का साधन नहीं रहती, बल्कि राष्ट्र की आत्मा और दिशा बन जाती है। विश्व हिंदी दिवस 2026 इसी ऐतिहासिक परिवर्तन का सशक्त प्रतीक है। 10 जनवरी को मनाया जाने वाला यह दिवस केवल हिंदी के गौरवगान तक सीमित नहीं, बल्कि उसकी निरंतर विकसित होती वैश्विक भूमिका का उद्घोष है। इस वर्ष की थीम 'हिंदी: पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक ', यह स्पष्ट करती है कि हिंदी अतीत की धरोहर और भविष्य की तकनीक के बीच सेतु बनकर खड़ी है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हिंदी केवल स्मृति नहीं, बल्कि संभावना है। विश्व हिंदी दिवस की पृष्ठभूमि हिंदी की वैश्विक यात्रा की गाथा है। 10 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन ने हिंदी को अंतरराष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में स्थापित किया। वर्ष 2006 में इसे आधिकारिक रूप से विश्व हिंदी दिवस घोषित किया गया। आज हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, जिसे 60 करोड़ से अधिक लोग मातृभाषा के रूप में बोलते हैं और करोड़ों इसे समझते हैं। संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को आधिकारिक भाषा का दर्जा दिलाने के प्रयास इस बात का प्रमाण हैं कि हिंदी अब केवल जनभाषा नहीं, बल्कि वैश्विक संवाद की सशक्त दावेदार बन चुकी है। हिंदी की सबसे बड़ी शक्ति उसका पारंपरिक ज्ञान है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, पुराण, आयुर्वेद और योग जैसे ग्रंथ मानव सभ्यता को जीवन दर्शन, नैतिकता और संतुलन का मार्ग दिखाते हैं। यह ज्ञान केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और व्यावहारिक भी है। आयुर्वेद की औषधियाँ आधुनिक चिकित्सा में स्थान बना रही हैं और योग को वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन के रूप में स्वीकार किया गया है। यह समस्त ज्ञान हिंदी के माध्यम से जन-जन तक पहुँचा और आज भी प्रासंगिक बना हुआ है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में हिंदी की भूमिका ऐतिहासिक मोड़ पर है। भारत एआई मिशन के अंतर्गत हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में स्वदेशी बड़े भाषा मॉडल विकसित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य केवल तकनीकी उन्नति नहीं, बल्कि भारतीय संदर्भों, मूल्यों और सांस्कृतिक संवेदनाओं के अनुरूप एआई का निर्माण है। हिंदी में एआई शिक्षा को व्यक्तिगत, कृषि को वैज्ञानिक और स्वास्थ्य को समग्र बना रही है। प्राचीन ग्रंथों का डिजिटल अनुवाद और विश्लेषण अब तकनीक के माध्यम से संभव हो रहा है। वर्ष 2026 में भारत द्वारा आयोजित भारत एआई इम्पैक्ट समिट हिंदी की तकनीकी क्षमता को वैश्विक मंच प्रदान करता है। इस सम्मेलन में भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी, में जिम्मेदार और नैतिक एआई पर विशेष जोर दिया गया है। देवनागरी लिपि की ध्वन्यात्मक संरचना एआई के लिए अत्यंत उपयुक्त है। भारतीय स्टार्टअप्स हिंदी आधारित चैटबॉट, वॉइस असिस्टेंट और ज्ञान मंच विकसित कर रहे हैं। इसरो के गगनयान मिशन में हिंदी संवाद यह सिद्ध करता है कि अंतरिक्ष जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में भी हिंदी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। हिंदी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का यह संगम केवल तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि सांस्कृतिक उत्तरदायित्व है। यदि एआई को केवल विदेशी भाषाओं और संदर्भों में प्रशिक्षित किया जाए, तो वह स्थानीय संवेदनाओं से कट सकता है। हिंदी आधारित एआई भारतीय समाज की विविधता, नैतिकता और मानवीय मूल्यों को बेहतर ढंग से समझ सकता है। यह एआई न केवल सूचना देगा, बल्कि विवेकपूर्ण और संवेदनशील निर्णयों में सहायक बनेगा। यही कारण है कि हिंदी एआई का विकास भविष्य की अनिवार्यता बन चुका है। हालाँकि हिंदी के समक्ष चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हिंदी सामग्री की कमी, अंग्रेजी-प्रधान एआई मॉडल और डिजिटल साक्षरता का अभाव प्रमुख बाधाएँ हैं। अनुवाद में त्रुटियाँ और तकनीकी संसाधनों तक सीमित पहुँच भी चिंता का विषय हैं। फिर भी 2026 आशा और अवसरों का वर्ष है। वैश्विक तकनीकी कंपनियाँ हिंदी वॉइस टेक्नोलॉजी में निवेश बढ़ा रही हैं और भारतीय प्रयास स्थानीय भाषाओं को केंद्र में ला रहे हैं। यदि संस्कृत और हिंदी ग्रंथों को एआई प्रशिक्षण डेटा बनाया जाए, तो हिंदी वैश्विक एआई में अग्रणी बन सकती है। हिंदी की समावेशी प्रकृति उसे भारत की राष्ट्रीय एकता का आधार बनाती है। यह 22 अनुसूचित भाषाओं को जोड़ने वाली सेतु है और इसमें संस्कृत, फारसी, अरबी सहित अनेक भाषाओं का प्रभाव समाहित है। यही विविधता इसे वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य बनाती है। प्रवासी भारतीयों के लिए हिंदी सांस्कृतिक स्मृति और पहचान का माध्यम है। अब एआई के माध्यम से हिंदी सीमाओं से परे जाकर भारतीय ज्ञान और मूल्यों को विश्व तक पहुँचा रही है। भविष्य की दृष्टि से हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनने की क्षमता रखती है। शिक्षा में हिंदी-एआई पाठ्यक्रम, विश्वविद्यालयों में पारंपरिक ज्ञान आधारित तकनीकी अध्ययन और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी प्रस्तुतियाँ इसे नई ऊँचाइयों तक ले जाएँगी। विश्व हिंदी दिवस को यदि एआई और भाषा के वैश्विक संवाद का मंच बनाया जाए, तो हिंदी नवाचार और मानवीय मूल्यों का केंद्र बन सकती है। अंतरिक्ष से लेकर डिजिटल संसार तक, प्रयोगशालाओं से लेकर कक्षाओं तक, हिंदी की उपस्थिति भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ कर रही है। गगनयान जैसे मिशनों में हिंदी संचार बढ़ना यह संकेत देता है कि भविष्य की तकनीक भारतीय भाषाओं के साथ आगे बढ़ेगी। हिंदी का यह तकनीकी विस्तार भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार का नेतृत्वकर्ता बनाएगा। विश्व हिंदी दिवस 2026 केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि हिंदी के वर्तमान और भविष्य को दिशा देने वाला एक गहन वैचारिक संकल्प है। यह संकल्प इस विश्वास पर आधारित है कि हिंदी अपनी सांस्कृतिक जड़ों, नैतिक मूल्यों और ज्ञान परंपरा को सुदृढ़ रखते हुए आधुनिक विज्ञान और उभरती तकनीकों का नेतृत्व कर सकती है। 'हिंदी: पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक' की थीम यह स्पष्ट करती है कि सच्ची प्रगति वही है जिसमें तकनीकी नवाचार मानवीय संवेदना, विवेक और करुणा से जुड़ा हो। इस 10 जनवरी को हम सामूहिक रूप से यह प्रण लें कि हिंदी को केवल संवाद की नहीं, बल्कि नवाचार, मानवीय मूल्यों और वैश्विक समझ की सशक्त भाषा बनाएँ। यही हिंदी की वास्तविक शक्ति, पहचान और विजय है – जय हिंदी।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

स्वामी विवेकानंद केविचारों की वह अग्नि जो भारत को अतीत से भविष्य तक जोड़ती है

भारत की आत्मा को यदि किसी एक व्यक्तित्व में समझना हो, तो स्वामी विवेकानंद का नाम सबसे पहले सामने आता है। विश्वकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर का यह कथन कि यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए केवल प्रशंसा नहीं बल्कि एक ऐतिहासिक सत्य है। वहीं रोमां रोलां ने उन्हें ऐसा व्यक्तित्व बताया, जिनका द्वितीय होना असंभव है। इन दोनों महान चिंतकों की यह धारणा यूं ही नहीं बनी। स्वामी विवेकानंद ने न केवल भारत की आध्यात्मिक चेतना को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया, बल्कि गुलामी से जूझ रहे भारत को आत्मविश्वास, स्वाभिमान और कर्मशीलता का नया दर्शन दिया। स्वामी विवेकानंद केवल एक संन्यासी नहीं थे। वे एक ऐसे विचारक थे जिनमें संत की करुणा, योद्धा का साहस, दार्शनिक की गहराई और राष्ट्रनिर्माता की दूरदृष्टि एक साथ विद्यमान थी। उनका जीवन स्वयं एक संदेश था कि आध्यात्मिकता पलायन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान का सबसे सशक्त माध्यम हो सकती है। उन्होंने भारत को उसकी जड़ों से जोड़ा और साथ ही उसे आधुनिक विश्व से संवाद करने का साहस दिया। नरेन्द्रनाथ दत्त के जीवन में आए संघर्षों ने उनके विचारों को और भी धार दी। पिता की असमय मृत्यु के बाद आर्थिक संकट ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। उसी दौर में रामकृष्ण परमहंस से उनका मिलन हुआ, जो उनके जीवन की दिशा तय करने वाला क्षण बना। मां काली से धन की याचना करने के बजाय ज्ञान और भक्ति की आकांक्षा ने यह स्पष्ट कर दिया कि नरेन्द्र का मार्ग सामान्य नहीं होगा। यहीं से सांसारिक मोह से ऊपर उठकर मानवता की सेवा का बीज उनके भीतर अंकुरित हुआ। रामकृष्ण परमहंस के सान्निध्य में उन्हें यह बोध हुआ कि ईश्वर केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि भूखे, पीड़ित और शोषित मनुष्य में बसता है। यही विचार आगे चलकर स्वामी विवेकानंद के सामाजिक दर्शन की आधारशिला बना। गुरु के महाप्रयाण के बाद उनका भारत भ्रमण केवल यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्र की नब्ज़ टटोलने की प्रक्रिया थी। देश में फैली गरीबी, अज्ञान और सामाजिक विषमता ने उन्हें विचलित किया, लेकिन निराश नहीं। उन्होंने समझ लिया कि भारत की समस्या का समाधान भी भारत की आत्मा में ही छिपा है। कन्याकुमारी के सागर तट पर ध्यान के दौरान उन्हें यह स्पष्ट हुआ कि नए भारत का निर्माण आत्मगौरव, शिक्षा और सेवा के बिना संभव नहीं है। यही चेतना उन्हें शिकागो की विश्व धर्म संसद तक ले गई। मात्र तीस वर्ष की आयु में दिए गए उनके भाषण ने पूरी दुनिया को चकित कर दिया। सिस्टर्स एंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका के संबोधन के साथ जो तालियां बजीं, वे केवल एक वक्ता के लिए नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के सम्मान में थीं। उस भाषण ने यह स्थापित कर दिया कि भारत भले ही आर्थिक रूप से पिछड़ा हो, लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से वह विश्व का मार्गदर्शक रहा है। शिकागो के मंच से स्वामी विवेकानंद ने वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को वैश्विक चेतना में रूपांतरित किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कट्टरता, संकीर्णता और हिंसा की आलोचना की और सहिष्णुता, संवाद तथा करुणा को मानवता का आधार बताया।

यह वही भारत था, जिसे औपनिवेशिक ताकतें पिछड़ा और रहस्यमय बताती थीं, लेकिन विवेकानंद ने उसे ज्ञान, विवेक और सार्वभौमिकता का प्रतीक बना दिया। धर्म संसद के बाद स्वामी विवेकानंद विश्व प्रसिद्ध हो गए, लेकिन उन्होंने इस प्रसिद्धि को कभी व्यक्तिगत गौरव नहीं बनने दिया। भारत लौटकर उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जो उनके विचारों का संस्थागत रूप था। यह मिशन संन्यास और सेवा का अद्भुत संगम बना। अस्पताल, विद्यालय, महाविद्यालय और राहत कार्यों के माध्यम से मिशन ने यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिकता का वास्तविक अर्थ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। स्वामी विवेकानंद का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने भारतीय युवाओं को हीन भावना से बाहर निकाला। उनका आह्वान,उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत। आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने युवाओं को बताया कि शक्ति, आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण के बिना न तो व्यक्ति आगे बढ़ सकता है और न ही राष्ट्र। यही कारण है कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गांधी, सुभाष, अरविंद जैसे नेताओं पर विवेकानंद के विचारों की स्पष्ट छाया दिखाई देती है। यदि पुरानी और नई विचारधारा के अंतर को समझें, तो स्वामी विवेकानंद इस सेतु के रूप में दिखाई देते हैं। पुरानी विचारधारा में आध्यात्मिकता अक्सर संन्यास, वैराग्य और संसार-त्याग से जुड़ी थी। नई विचारधारा में भौतिक प्रगति, विज्ञान और व्यक्तिगत सफलता पर जोर है। विवेकानंद ने इन दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता जीवन से पलायन नहीं, बल्कि जीवन को सशक्त बनाने का माध्यम है। वहीं आधुनिकता अंधी न हो, बल्कि मूल्यों से जुड़ी हो। पुरानी सोच में जाति, रूढ़ि और कर्मकांड का बोलबाला था, जबकि नई सोच कई बार परंपरा से कट जाने का जोखिम उठाती है। विवेकानंद ने परंपरा की आत्मा को बचाते हुए रूढ़ियों को तोड़ा। उन्होंने कर्मकांड के बजाय कर्म को महत्व दिया और जाति के बजाय मानवता को। आज के उपभोक्तावादी युग में, जहां सफलता को केवल धन और पद से मापा जाता है, विवेकानंद हमें याद दिलाते हैं कि सच्ची सफलता चरित्र, सेवा और संवेदना में निहित है। चार जुलाई 1902 को मात्र उन्तालीस वर्ष की आयु में स्वामी विवेकानंद का देहावसान हो गया, लेकिन उनका विचारकाल अनंत है। उनका जीवन यह प्रमाण है कि अल्पायु में भी महाकालिक प्रभाव छोड़ा जा सकता है। वे केवल अपने समय के नहीं थे, बल्कि हर उस युग के हैं, जहां मनुष्य आत्मविश्वास खोता है और राष्ट्र दिशा भटकता है। आज जब भारत विश्व मंच पर नई भूमिका निभा रहा है, तब विवेकानंद के विचार पहले से अधिक प्रासंगिक हो उठते हैं। आत्मनिर्भरता, वैश्विक बंधुत्व और युवा शक्ति का जो सपना वे देख गए थे, वह आज भी हमारे सामने लक्ष्य की तरह खड़ा है। स्वामी विवेकानंद केवल इतिहास के पन्नों में कैद संत नहीं, बल्कि विचारों की वह ज्वाला हैं, जो भारत को अतीत की जड़ों से जोड़ते हुए भविष्य की ओर निरंतर अग्रसर करती रहती है।

कांतिलाल मांडोत

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दूरी: अमेरिका की नई रणनीति क्यों?

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात जिस वैश्विक व्यवस्था का निर्माण हुआ, उसका उद्देश्य था,युद्ध की पुनरावृत्ति रोकना, सहयोग को बढ़ावा देना और शक्ति-संतुलन स्थापित करना। संयुक्त राष्ट्र (यूएन), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), यूनेस्को, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) तथा पेरिस जलवायु समझौते जैसी बहुपक्षीय संस्थाएँ इसी सोच की उपज थीं। इन संस्थाओं के गठन, वित्तपोषण और नीति-निर्धारण में अमेरिका की केंद्रीय भूमिका रही। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में दृश्य उलट चुका है। अमेरिका ने कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं दूरी बनाना शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका ने 31 यूएन एजेंसियों और 35 गैर-यूएन अंतरराष्ट्रीय संगठनों एवं संधियों से बाहर निकलने का निर्णय लेते हुए इन संस्थाओं को अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक हितों और संप्रभुता के लिए 'खतरा' बताया गया। यह केवल किसी एक राष्ट्रपति की सनक नहीं, बल्कि अमेरिकी राजनीति में आए संरचनात्मक परिवर्तन और वैश्विक प्रभुत्व बनाए रखने की रणनीति का संकेत है। शीत युद्ध के बाद उभरी एकध्रुवीय व्यवस्था अब इतिहास बन चुकी है। चीन का आर्थिक और तकनीकी उभार, भारत का वैश्विक आर्थिक मंच पर सशक्त होना, रूस की सैन्य पुनर्सक्रियता, ब्रिक्स समूह का विस्तार तथा वैश्विक दक्षिण की बढ़ती मुखरता ने शक्ति-संतुलन को बदल दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा, डब्ल्यूटीओ या जलवायु सम्मेलनों जैसे मंचों पर अब निर्णय केवल किसी शक्तिशाली देश की इच्छा से नहीं होते अपितु बहुमत से होते है।इसी व्यवस्था में अमेरिका को कई बार अल्पमत में रहना पड़ा है। ट्रम्प प्रशासन ने इसी कारण बहुपक्षवाद को 'बोझिल', 'अप्रभावी' और 'अमेरिकी हितों के विरुद्ध' करार दिया। वस्तुतः यह उस असहजता की अभिव्यक्ति है, जहाँ अमेरिका अब नियम तय करने वाला अकेला शक्ति-केंद्र नहीं रहा। अमेरिका स्वयं को 'नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था' का सबसे बड़ा पैरोकार बताता है, किंतु व्यवहार में वह नियमों का पालनकर्ता नहीं, बल्कि नियम-निर्धारक बनना पसंद करता है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पत्नी सहित अगुवा करने की धमकी, ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की इच्छा, चीन और भारत सहित अनेक देशों पर एकतरफा टैरिफ लगाने जैसे कदम अंतरराष्ट्रीय कानून और संस्थागत प्रक्रियाओं की अनदेखी के उदाहरण हैं।इसके विपरीत, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ समान नियमों की वकालत करती हैं, फिर चाहे वह पेरिस समझौते के तहत जलवायु उत्सर्जन की जिम्मेदारी हो, यूएन मानवाधिकार परिषद के मानवाधिकार मानक हों या जिनेवा संधियों के युद्ध नियम। जैसे ही ये मानक अमेरिका या उसके रणनीतिक सहयोगियों (जैसे इजरायल) पर लागू होते हैं,तब ऐसी संस्थाओं को 'पक्षपाती' और 'अमेरिका-विरोधी' घोषित कर दिया जाता है। अमेरिका का 2017 में पेरिस जलवायु समझौते से हटना और 2018 में यूएन मानवाधिकार परिषद से बाहर निकलना इसी मानसिकता के स्पष्ट उदाहरण हैं। अमेरिकी नव-राष्ट्रवाद ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को 'संप्रभुता-भक्षक' के रूप में प्रस्तुत किया है वहीं 'अमेरिका फर्स्ट' का नारा घरेलू राजनीति में व्यापक जनसमर्थन जुटाने का साधन बना। शायद इसी कारण बहुपक्षीय प्रतिबद्धताओं को घरेलू समस्याओं जैसे रोजगार, कर और सुरक्षा आदि के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। परिणामस्वरूप, वैश्विक सहयोग की जगह संकीर्ण राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी गई। वास्तव में अमेरिका की यह नीति संस्थाओं की कमजोरी से अधिक उसकी बदली हुई वैश्विक स्थिति की स्वीकारोक्ति है। बहुध्रुवीय विश्व में नियमों के अधीन रहना अमेरिका को स्वीकार नहीं क्योंकि उससे अमेरिकी हितों की पूर्ति नहीं होती, विस्तार वादी नीति को समर्थन नहीं मिलता, दूसरे देशों के संसाधनों को हड़पने का मौका नहीं मिलता। प्रश्न यह नहीं कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ अप्रासंगिक हो गई हैं, बल्कि यह है कि क्या विश्व एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है जहाँ 'संस्थागत सहयोग' के स्थान पर 'शक्ति का एकतरफा प्रदर्शन' ही नई वैश्विक नीति बनेगा।

डा.मनमोहन प्रकाश

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

किसान के घर में घुसकर चाकुओं से हमला करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार भेजे गए जेल

महराजगंज, रायबरेली। क्षेत्र के हिलहा गांव में घर में घुसकर किसान पर हुए हमले के मामले में कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घायल किसान की पत्नी ने गांव के ही बृजेश कुमार पाण्डेय व उनके बेटे अनुज व अभिषेक पाण्डेय समेत दो अज्ञात लोगों के खिलाफ लिखित तहरीर देते हुए कार्यवाही की मांग की थी। शुक्रवार सुबह कोतवाली पुलिस को मुखबिर की सूचना के आधार पर पता चला कि घटना के दो आरोपी लालगंज गांव के पास खड़े हैं। मुखबिर की सूचना के आधार पर उपनिरीक्षक त्रियुगीनारायण तिवारी, उपनिरीक्षक रोहित व हमराही पिंटू यादव, कांस्टेबल गौरव कुमार की टीम ने पहुंच कर। दो अभियुक्त बृजेश कुमार पाण्डेय व उनके बेटे अनुज कुमार पाण्डेय को गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों को नियमानुसार जेल भेजा गया है। अन्य की भी तलाश जारी है।

भारतीय किसान यूनियन मे शुभम रस्तोगी को मिली नई जिम्मेदारी

बिसवां सीतापुर किसानो की समस्याओ के लिए संघर्ष रत भारतीय किसान यूनियन राकेश टिकैत गुट की महत्वपूर्ण बैठक ब्लाक मुख्यालय सकरन मे सम्पन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मयंक सिंह चौहान ने की। इस मौके पर किसान यूनियन राकेश टिकैत गुट ने शुभम रस्तोगी निवासी महाराज नगर को जिला मीडिया प्रभारी का दायित्व सौपा गया। बैठक मे उपस्थित किसानो को सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मयंक सिंह चौहान ने कहा किसान पूरे देश का अनाज देता है।लेकिन सरकारे किसानो को समय पर खाद बीज नही उपलब्ध करा पा रही किसानो को अपनी उपज का सही मूल्य नही मिल पाता जिससे किसान हमेशा समस्याओ से घिरा रहता है। मंडी मे किसानो का शोषण किया जाता वर्तमान समय मे महीनों किसानो को धान की फसल बेचने के लिए मंडी मे अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है वही दलाल किसानो की फसल को सस्ते मे खरीद लेते है उनका धान मंडी मे तत्काल तौल लिया जाता है। किसानो को एकजुट कर सड़को पर आना होगा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष डॉ सतीश यादव, वीरेंद्र वर्मा, पंकज वर्मा, प्रमोद वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सुशील राज, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मुर्तजा अली अंसारी, रिशु भार्गव आदि लोग उपस्थित रहे।

क्रिकेट टूर्नामेंट में तीसरे दिन निगोहां बाजार व गढ़ी टीमों ने दर्ज की जीत

लखनऊ। निगोहां कस्बे के एसएनटी मैदान में आयोजित ग्राम सभा क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन शुक्रवार को दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। दिन का पहला मैच निगोहां बाजार और उदयपुर टीम के बीच खेला गया। टॉस जीतकर उदयपुर टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 91 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में निगोहां बाजार टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 11.2 ओवर में 6 विकेट से लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए निगोहां बाजार टीम के खिलाड़ी ऋषभ सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया।दूसरा मैच कनकहा और गढ़ी टीमों के बीच खेला गया। टॉस जीतकर कनकहा टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर मेंड 102 रन का मजबूत लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गढ़ी टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मात्र 9.3 ओवर में ही जीत दर्ज कर ली। शानदार खेल के लिए गढ़ी टीम के खिलाड़ी प्रभात को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

अतिथि समाजसेवी सुधीर मिश्रा व सौरभ बाजपेयी व मुकेश शुक्ला ने व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र दीक्षित व आयोजक आशुतोष तिवारी एवं ग्राम प्रधान अभयकांत दीक्षित की मौजूदगी में विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के उत्साह और दर्शकों की भारी मौजूदगी ने आयोजन को और भी यादगार बना दिया।

मायावती पर अभद्र टिप्पणी का मामला; बदायूं की कोर्ट ने कांग्रेस नेता उदित राज-सांसद राहुल गांधी को नोटिस जारी किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। बदायूं में अपर जिला जज व विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट प्रथम पूनम सिंघल ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस नेता उदित राज के खिलाफ नोटिस जारी किया है. दोनों नेताओं को 29 जनवरी को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। कांग्रेस के नेता व पूर्व सांसद उदित राज ने बसपा अध्यक्ष मायावती के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में अधिवक्ता जय सिंह सागर की ओर से दायर की गयी फौजदारी निगरानी याचिका की सुनवाई करते करते हुए अदालत ने यह आदेश दिया।

17 फरवरी 2025 को कांग्रेस नेता डॉ. उदित राज ने बसपा अध्यक्ष मायावती की हत्या करने की बात भी कही थी. यह मामला सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के मोहल्ला नेकपुर निवासी जय सिंह सागर पुत्र स्वर्गीय नानकराम से जुड़ा है. उन्होंने अधिवक्ता के माध्यम से धारा 175(3) बीएनएसएस के तहत प्रार्थना पत्र पेश किया है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि 17 फरवरी 2025 को कांग्रेस नेता डॉ. उदित राज ने अपने ट्विटर (वर्तमान में ङ्ग) अकाउंट से बसपा प्रमुख मायावती को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी और वीडियो पोस्ट किए थे. आरोप है कि इन पोस्ट में मायावती के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया था।

याचिका में कहा गया कि इन पोस्ट के माध्यम से न केवल बसपा अध्यक्ष मायावती की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया, बल्कि सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ नफरत फैलाने और समर्थकों को उकसाने की कोशिश भी की गयी. याची के अनुसार, इस तरह की टिप्पणियों से मायावती के समर्थकों और अनुयायियों की भावनाएं आहत हुई हैं तथा समाज में तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई।

अधिवक्ता जय सिंह सागर ने बताया कि एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस घटना को दिल्ली की बताकर उसे खारिज कर दिया था. इसके बाद अधिवक्ता ने 25 अगस्त 2025 को जिला जज की अदालत में फौजदारी निगरानी याचिका दायर की थी. इस मामले को जिला जज ने अपर जिला जज व विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कोर्ट को भेजा था।

इस मामले में सुनवाई चल रही थी. इस मामले में अपर जिला जज व विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट प्रथम पूनम सिंघल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उदित राज को नोटिस जारी किया है. नोटिस में कहा गया है कि 29 जनवरी को अपना पक्ष रखने को या तो वह स्वयं या अधिवक्ता उपस्थित रहें।

व्यापार मंडल ने पुलिस अधीक्षक को जाम की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

डलमऊ रायबरेली- उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा है। व्यापारियों ने जगतपुर रोड से डलमऊ आने वाले अनियंत्रित ट्रकों और डंपरों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है, जिससे लगातार हो रहे हादसों और जाम की समस्या से निजात मिल सके। ज्ञापन में बताया गया कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में खाली ट्रक और डंपर टोल टैक्स बचाने के लिए जगतपुर रोड से मुराई बाग कस्बे होते हुए फतेहपुर की ओर जाते हैं। इन वाहनों की अधिक संख्या कस्बे में जाम का मुख्य कारण बनती है।व्यापारियों ने चिंता व्यक्त की कि जगतपुर रोड पर ही कस्बे के मुख्य विद्यालय स्थित हैं। विद्यालय समय में तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रकों व डंपरों से छात्रों के लिए हादसों का खतरा बना रहता है। पिछले तीन-चार महीनों में कई सड़क हादसे हुए हैं। हाल ही में, 7 जनवरी को शाम 5:30 बजे एक दुखद घटना हुई।

उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत एक आरक्षी की माता का सड़क पार करते समय तेज रफ्तार ट्रक से एक्सीडेंट हो गया, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। इस घटना ने स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ा दिया है। व्यापार मंडल ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि जगतपुर से आने वाले ट्रकों और डंपरों के मार्ग पर तत्काल रोक लगाई जाए। इससे व्यापारियों, आम जनमानस और विद्यार्थियों को होने वाली कठिनाइयों को कम किया जा सकेगा। इस अवसर पर ज्ञापन सौंपते समय रामगोपाल वैश्य, अमित तिवारी, संतोष कौशल, पथवारी शंकर, सुनील हांडा और आदित्य यादव सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

निमधा गांव में लगी भीषण आग,पूरा घर जलकर राख

घाटमपुर। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के चिटकिनपुर निमधा गांव में आज सुबह अचानक एक दर्दनाक हादसा हो गया, दिनेश निषाद पुत्र रामसिंह निषाद के घर में अचानक आग लग गई, जिसे देखते ही देखते पूरा घर जलकर राख हो गया,आग इतनी भीषण थी कि घर में रखा सारा घरेलू सामान,अनाज, कपड़े,व जरूरी सामान पूरी तरह से जल कर राख हो गए, घटना के समय घर में अफरातफरी मच गई, आसपास के मुहल्ले वालों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास किया,बाद में फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, दमकल बल मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, हालांकि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन पीड़ित परिवार को आर्थिक नुकसान हुआ, है पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता व मुआवजे की मांग की है, ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है पीड़ित परिवार को शीघ्र राहत सहायता उपलब्ध कराई जाए।

सेमीफाइनल में नवीन इलेवन ने आशीष इलेवन को दी शिकस्त

लालगंज। क्षेत्र के अझारा में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में आशीष इलेवन और नवीन इलेवन के बीच हुआ। नवीन इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 82 रन बनाया। 83 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आशीष इलेवन निर्धारित 10 ओवरों में 56 रन ही बना सकी। आशीष एकादश की ओर से श्रीश पांडेय डीएम ने 35 रनों की नाबाद पारी खेली, लेकिन अपनी टीम के खिलाड़ियों का साथ नहीं मिलने के कारण टीम को जीत नहीं दिला सके। इस मौके पर आयोजक सभासद धर्मपाल गौतम, संयोजक अजय मिश्र, विद्या शंकर मिश्र, कुलदीप, केविन मार्शल, अभिषेक मिश्र, पवन मिश्रा, ललित तिवारी, गिरिजाकांत द्विवेदी, अशुतम सिंह, ललित मलिंगा आदि मौजूद रहे।

ठिठुरती सर्दी में गरीबों को सहारा, ग्राम प्रधान ने वितरित किए 35 कंबल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद लखनऊ। दिन ब दिन बढ़ती हांड कंपाऊ ठंड को देखते हुए तहसील प्रशासन ने ग्राम पंचायतो में जरूरतमंदो को कंबल वितरण किए गए। कड़ाके की ठंड से बचने के लिए ग्राम प्रधानों ने गरीब जरूरतमंदों को कंबल बांटे। बढ़ती ठंड को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने लेखपालों और प्रधानों को यह जिम्मेदारी सौंपी है। कि घर-घर जाकर जरूरतमंद असहाय व गरीबों को कंबल वितरण करे,जिससे उनका ठंड से बचाव हो सके। बीते एक सप्ताह के चलते ठंड व गलन का प्रकोप काफी बढ़ गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब असहाय लोग ठंड की मार से जूझ रहे थे जिनकी समस्या को देखते हुए प्रशासन ने निरंतर कंबल वितरण का कार्यक्रम करना शुरू कर दिया है। इसी श्रृंखला में आज ग्राम पंचायत नई बस्ती धनेवा में ग्राम प्रधान विजय कुमार मौर्य ने गांव के गरीब व जरूरतमंदो को 35 कंबल वितरित किए ठिठुरती ठंड में कंबल पाकर गरीबों के चेहरे खिल उठे। प्रधान ने बताया अभी यह अभियान लगातार जारी रहेगा ।जो भी गरीब- असहाय लोग कंबल पाने से वंचित रह गए हैं उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा।

मिलेट्स रेसिपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम तथा कृषि सूचना तंत्र के शुद्धणीकरण के अंतर्गत जनपद स्तरीय रवी उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर 9 जनवरी चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम योजनातर्गत मिलेट रेसिपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम एवं कृषि सूचना तंत्र के शुद्धणीकरण के अंतर्गत जनपद स्तरीय रवी उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत फीता काटकर पूर्व सांसद एवं आवासन व शहरी कार्य राज्य मंत्री माननीय कौशल किशोर ने की। पूर्व सांसद कौशल किशोर ने बताया कि एक समय था कि मोटे अनाज सभी के घरों में होता था आज मोटा अनाज गायब हो गया है जिस कारण से बीमारियां बढ़ती चली जा रही हैं उन्होंने किसानों को भारत सरकार की कृषि संबंधी योजनाओं की जानकारी भी दी और मोटे अनाज की खेती करने पर जोर दिया । महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ टी पी सिंह ने मोटे अनाजों का चिकित्सीय महत्व बताया और उन्होंने कहा कि गेहूं चावल में ग्लाईसेमिक इंडेक्स बढ़ रहा है मोटे अनाज स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होते हैं। इसमें फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है पाचन शक्ति को बढ़ाते हैं बीमारियों को रोकने का काम करते हैं। महाविद्यालय के शोध अधिकारी प्रो गजेंद्र सिंह ने मोटे अनाजों की खेती का रकबा बढ़ाने तथा खरपतवार प्रबंधन पर जानकारी दी। महाविद्यालय के कृषि कीट विज्ञान सह -आचार्य डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने किसानों को आम की फसल पर जाला कीट प्रबंधन तथा जायद की फसलों में सब्जी वर्गीय एवं मीठे फलों की खेती तथा मिलेट्स की खेती करने पर जोर दिया। कहां की मीठे फलों से आमदनी अधिक मिलती है और लागत कम आती हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ योगेंद्र कुमार सिंह ने मशरूम की खेती तथा मिलेट्स की खेती करने पर चर्चा की, कृषि सलाहकार सुरेश राजपूत मिलेट्स की खेती तथा मिलेट्स मूल्य संवर्धन एवं विपणन पर विधिवत किसानों को बताया। मोटे अनाजों से रेसिपी बनाने की प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय बक्शी का तालाब की ए-टीम एवं बी-टीम, महिला स्वयं सहायता समूह विकास खंड बक्शी का तालाब की सी- टीम, महिला स्वयं सहायता समूह विकासखंड मलिहाबाद की डी- टीम तथा कृषि विभाग जनपद लखनऊ की ई- टीम ने प्रतिभाग किया इन्होंने सावां की खीर, रागी का हलवा बाजरा की खिचड़ी बनाई जो लोगों को बहुत भाई। महिला स्वयं सहायता समूह बीकेटी की महिलाओं द्वारा बाजरे की खिचड़ी में प्रथम, सांवा की खीर में द्वितीय तथा रागी के हलवा में तृतीय स्थान मिला, महिला स्वयं सहायता समूह मलिहाबाद की महिलाओं द्वारा बाजरे की खिचड़ी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय ग्रुप ए की टीम द्वारा रागी के हलवा में प्रथम स्थान एवं सांवा की खीर में तृतीय स्थान प्राप्त किया, चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय की ग्रुप बी टीम को सावां की खीर में प्रथम, रागी के हलवा में द्वितीय, बाजारे की खिचड़ी में तृतीय स्थान मिला तथा कृषि विभाग की टीम को रागी का हलवा, सांवा की खीर तथा बाजरे की खिचड़ी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। रेसिपी प्रतिभागियों को उप कृषि निदेशक विनय कौशल ने प्रशस्पती पत्र एवं पुरस्कार की धनराशि देकर सम्मानित किया।

श्री अन्न (मिलेट्स) रेसिपी कार्यक्रम में भूमि संरक्षण अधिकारी संगीता कटियार, खंड विकास अधिकारी बक्शी का तालाब पूजा पांडे, कृषि विभाग के सुरेश कुमार राजपूत, रूपेंद्र कुमार,अनूप यादव, सुनील कुमार, गगन, सचेंद्र सिंह, अविनाश सिंह, मोहिनी सैनी, कोमल यादव, नगमा, नीलांजना टंडन, प्रियंका शिवहरे, सचीद्र बैष्य, सिल्की खरे, दीपक यादव तथा कृषि महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी तथा 300 से अधिक महिला पुरुष किसान एवं छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया सभी किसानों को सार संग्रह वितरित किए गए तथा लंच कराया गया। उप कृषि निदेशक विनय कौशल द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के सह-आचार्य डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने किया।

सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन की तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का भव्य समापन, संवाद कार्यक्रम में ज्ञान और सम्मान का संगम

● ......जीएसटी ट्रिब्यूनल प्रैक्टिस पर वरिष्ठ अधिवक्ता अक्षय अग्रवाल का व्याख्यान, विजेता खिलाड़ियों व अधिवक्ताओं को किया गया सम्मानित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मीराबाई मार्ग स्थित राज्य कर भवन के सभागार में शुक्रवार को सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन द्वारा तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के भव्य समापन के अवसर पर 'संवाद' कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। एसोसिएशन की कार्यकारिणी के तत्वावधान में आयोजित इस विशेष सत्र का उद्देश्य अधिवक्ताओं के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिससे उपस्थित सदस्यों में उत्साह और गर्व का वातावरण देखने को मिला।

संवाद कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अक्षय अग्रवाल ने "जीएसटी ट्रिब्यूनल प्रैक्टिस-लॉ एण्ड प्रोसीजर" विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने जीएसटी कानून की व्यवहारिक जटिलताओं, ट्रिब्यूनल प्रक्रिया और अधिवक्ताओं के समक्ष आने वाली चुनौतियों पर सारगर्भित चर्चा करते हुए उपस्थित अधिवक्ताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन द्वारा सम्मानित अधिवक्ता सदस्यों का सामूहिक जन्मदिवस भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिससे कार्यक्रम में आपसी सौहार्द और भाईचारे का भाव और प्रबल हुआ। कार्यक्रम का सफल आयोजन एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मिश्र एवं महामंत्री शिव कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन अधिवक्ता दिलीप यशोवर्धन ने किया। इस अवसर पर राज्य कर विभाग के जॉइंट कमिश्नर नीरज सिंह, कार्यकारिणी के वरिष्ठ पदाधिकारी, उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव सहित बड़ी संख्या में सदस्य अधिवक्ता उपस्थित रहे। अंत में महामंत्री शिव कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक और सामूहिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

राजा भोज की भूमि पर इतिहास के घाव आज भी हरे- भोजशाला निरीक्षण के दौरान बोले राजपुरोहित मधुर जी

● ...माँ शारदा विद्या-पीठ की दुर्दशा पर जताई पीड़ा, प्रतिमा पुनर्स्थापना और प्रशासनिक निर्णय न होने पर जनआंदोलन की चेतावनी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ अयोध्या से पधारे सनातन प्रचारक एवं धर्म गुरु राजपुरोहित मधुर जी ने शुक्रवार को धार जिले में स्थित ऐतिहासिक राजा भोज की धर्मशाला (भोजशाला) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने माँ शारदा/माँ सरस्वती के दर्शन कर इस पवित्र और ऐतिहासिक विद्या-पीठ को शीघ्र ही अव्यवस्थाओं एवं अनियमितताओं से मुक्त कराने का संकल्प व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि इतिहासकारों के अनुसार खिलजी आक्रांता अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में इस महान विद्या-केंद्र पर सुनियोजित आक्रमण किया गया, जिसमें माँ शारदा की प्रतिमाओं को खंडित किया गया, गुरुकुलों का विध्वंस किया गया तथा हजारों संस्कृत विद्यार्थियों की निर्मम हत्या कर उनके शवों को कुंडों में डाल दिया गया। उन्होंने इसे केवल एक स्थल का नहीं, बल्कि भारत की सनातन शिक्षा परंपरा और सांस्कृतिक चेतना के विनाश का षड्यंत्र बताया। राजपुरोहित मधुर जी ने कहा कि प्रत्येक वर्ष बसंत पंचमी जैसे पावन पर्व पर हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं के साथ कठोरता और भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता है, जबकि प्रशासन का सौतेला रवैया अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हिंदुओं के जीवित रहते यदि माँ भगवती शारदा का यह पवित्र विद्या-पीठ आज भी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है, तो यह पूरे हिंदू समाज के आत्मसम्मान पर आघात और कलंक का विषय है। उन्होंने सरकार और संबंधित प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र कोई ठोस एवं सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आने वाले समय में व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। अंत में राजपुरोहित मधुर जी ने माँ शारदा की प्रतिमा को लंदन से पुनः भारत लाकर उनके मूल स्थान पर विधिवत पुनर्स्थापित करने की मांग की, ताकि सनातन संस्कृति, शिक्षा परंपरा और राष्ट्र के गौरव की पुनर्स्थापना हो सके। इस अवसर पर धनुर्वेदी अखाड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल , भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री तरुण सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

फर्जी डिग्री घोटाला- जेएस विश्वविद्यालय की मान्यता रद्द, उत्तर प्रदेश सरकार ने 4,000 छात्रों की सुरक्षा के लिए पैनल का गठन किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने मंगलवार को फिरोजाबाद जिले के सिकोहाबाद स्थित जेएस विश्वविद्यालय की मान्यता रद्द करने को मंजूरी दे दी, क्योंकि जांच में पाया गया कि यह निजी संस्थान कथित फर्जी डिग्री घोटाले में शामिल था। चूंकि इस निर्णय से विश्वविद्यालय के विभिन्न स्ट्रीम के लगभग 4,000 छात्र प्रभावित होने की संभावना है, इसलिए सरकार ने सत्यापन और भविष्य में मंजूरी देने के लिए आगरा स्थित बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति के नेतृत्व में तीन सदस्यीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है।

जेएस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुकेश यादव और रजिस्ट्रार नंदन मिश्रा को पिछले साल मार्च में राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार किया था, जिसने पाया कि विश्वविद्यालय से आवेदकों द्वारा प्रस्तुत की गई डिग्रियां "फर्जी" थीं और चयनित छात्रों की संख्या वहां स्वीकृत सीटों की वास्तविक संख्या से अधिक थी।

बाद में, उत्तर प्रदेश के गृह विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के साथ-साथ फिरोजाबाद जिला प्रशासन ने अलग-अलग जांच की और पाया कि विश्वविद्यालय ने स्वीकृत सीटों से कहीं अधिक और उन धाराओं के लिए भी डिग्रियां दी थीं जिनके लिए उसे मान्यता भी प्राप्त नहीं थी। उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा, "न्यायालय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और रजिस्ट्रार को मार्च 2025 में राजस्थान पुलिस ने तब गिरफ्तार किया था जब उन्हें शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की परीक्षा के लिए चयनित उम्मीदवारों की डिग्रियां फर्जी मिलीं।" "हमने इस मामले का संज्ञान लिया है और विश्वविद्यालय की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह भी पाया गया कि उन्होंने स्वीकृत सीटों की संख्या से दोगुने से अधिक डिग्रियां दी थीं," मंत्री ने कहा। उपाध्याय ने आगे बताया कि सभी छात्रों के दस्तावेज बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की हिरासत में रहेंगे, जो उचित सत्यापन के बाद उन्हें भविष्य के प्रमाण पत्र प्रदान करेगा।

बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय समिति विश्वविद्यालय के बंद होने की प्रक्रिया के दौरान विश्वविद्यालय के कामकाज का प्रबंधन करेगी। इस समिति में बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार और एक स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी सदस्य होंगे।

अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा का कारवां पहुंचा महराजगंज, विधेयक मंजूरी को लेकर जमकर नारेबाजी

प्रतापगढ़। प्रदेश की राजधानी लखनऊ से आल इण्डिया रूरल बार एसोसिएशन के बैनरतले निकली अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा शुक्रवार को दोपहर बाद कलेक्ट्रेट परिसर पहुंची। वाराणसी, मिर्जापुर, बलिया, देवरिया, गोरखपुर होते हुए महराजगंज पहुंची। अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा को लेकर कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन भवन के परिसर में वकीलों में गर्मजोशी का माहौल रहा। बार एसोसिएशन भवन के समक्ष प्रथम राष्ट्रपति डा.राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा के सामने एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल के नेतृत्व में एकजुट हुए अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक को लेकर जमकर नारेबाजी की। इसके पहले अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा का नेतृत्व कर रहे एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने डा.राजेंद्र प्रसाद जी की प्रतिमा पर साथियों के साथ माल्यार्पण भी किया। यहां वकीलों की हुई आमसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि संसद के नजदीकी बजट सत्र में केंद्र सरकार अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम का विधेयक लेकर आये। उन्होने कहा कि सत्ता एवं विपक्ष दोनों लाबी को सदन के पटल पर अधिवक्ताओं की सुरक्षा से जुड़े विधेयक को ध्वनि मत से पारित कराया जाना चाहिए। श्री शुक्ल ने विधेयक के मसौदे की जानकारी देते हुए बताया कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा के साथ इस विधेयक में बुजुर्ग अधिवक्ता पेंशन, कैशलेस हेल्थ बीमा योजना, पांच वर्ष के लिए युवा अधिवक्ता, लाइब्रेरी प्रोत्साहन भत्ता जैसे प्राविधान भी रखे गये हैं। परिसर में वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष कुमार त्रिपाठी, उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश शुक्ल, आदि की अगुवाई में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम यात्रा का स्वागत भी किया गया। आमसभा की अध्यक्षता कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ओमप्रकाश मिश्र व संचालन महामंत्री ब्रजेश पटेल ने किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कृष्ण नन्द त्रिपाठी, जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, प्रहलाद कुमार पटेल, अंकिता सिंह, एल बिलिएम,पूर्व महामंत्री धमेंद्र त्रिपाठी, प.राम कुमार त्रिपाठी व जनार्दन मिश्र आदि को संघर्ष में योगदान के लिए एसोसिएशन की ओर से सम्मान पत्र भी सौपा। इस मौके पर अधिवक्ता सत्य प्रकाश पासवान, सतीश चन्द्र प्रजापति, राकेश तिवारी, लाल श्रीवास्तव, राजेंद्र पटेल, वीरभद्र पाल,अब्दुल मन्नान सिद्दीकी आदि आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

समाजसेवी आशुतोष ग्वाला भाजपा पार्टी के उम्मीदवार और प्रत्याशी के रूप से जिला अध्यक्ष कल्याण गोस्वामी के हाथों ज्ञापन सौंपा

श्रीभूमि समाजसेवी आशुतोष ग्वाला ने आगामी असम विधानसभा चुनाव2026 के तहत 121 नंबर हाइलाकांडी विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार एवं प्रत्याशी के रूप में अपना राजनीतिक औपचारिक रूप से जिला अध्यक्ष श्री कल्याण गोस्वामी के हाथों ज्ञापन सौंपा। यह कार्यक्रम गत 7 जनवरी (बुधवार) को सम्पन्न हुआ। ज्ञापन सौंपे जाने के अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक, पार्टी पदाधिकारी एवं समर्थक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में, हैलाकंदी के वरिष्ठ अधिवक्ता सानी बिश्वास, भूलन शुक्लाबुद्ध, कृष्ण प्रसाद रविदास राजीव कुर्मी, देवेंद्र बाराई सहित अनेक शुभचिंतक एवं उत्साही सहयोगी शामिल थे। इस अवसर पर आशुतोष ग्वाल ने सभी वरिष्ठजनों, समर्थकों एवं सहयोगियों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता एवं अभिनंदन व्यक्त करते हुए कहा कि वे क्षेत्र के समग्र विकास, जनसेवा और संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह और सकारात्मक माहौल देखने को मिला, वहीं आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियों में भी तेजी आना शुरू हो गई है।

सड़क सुरक्षा माह स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

आजमगढ़ सड़क सुरक्षा माह अभियान के तहत परिवहन विभाग द्वारा वाहन चालकों की आंखों की जांच के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों ने आंख जांच कराई। शिविर में एआरटीओ अतुल यादव स्वयं मौजूद रहे और उन्होंने चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय सही दृष्टि होना बेहद जरूरी है, क्योंकि आंखों की कमजोरी दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन सकती है। जांच के दौरान जिन चालकों की आंखों में कमी पाई गई, उन्हें तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई। एआरटीओ अतुल यादव ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे समय-समय पर अपनी आंखों की जांच कराएं और यातायात नियमों का पालन करें। आंख जांच शिविर में परिवहन विभाग के कर्मचारियों के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौजूद रही। लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित के लिए उपयोगी कदम बताया।

सड़क दुर्घटना के चौथे दिन ज़िंदगी की जंग हार गया हर्षित, इलाज के दौरान मौत

हमीरपुर- बीते मंगलवार की देर शाम भमौरा मार्ग में सड़क हादसे में घायल युवक की सुबह कानपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। इससे परिवार में कोहराम मच गया। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था और पिता के साथ खेती किसानी में हाथ उठाकर सहयोग करता था। बीते मंगलवार को सुमेरपुर थाना क्षेत्र के भमौरा निवासी निखिल सिंह गांव निवास हर्षित सिंह 24 के साथ कस्बे में बाजार करने बाइक से आया था। देर शाम दोनों बाइक से गांव लौट रहे थे। भमौरा मार्ग में अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों घायल होकर बेहोशी की हालत में रास्ते सड़क किनारे पड़े रहे थे। बुधवार को सुबह जानकारी होने पर परिजनों ने दोनों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया था। डाक्टरों ने निखिल सिंह को मृत घोषित कर दिया था। हर्षित को गंभीर हालत में कानपुर रेफर किया गया था। गुरुवार को तड़के 4:00 बजे हैलेट से जवाब होने पर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार को सुबह 7:00 बजे हर्षित ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक के पिता अरविंद सिंह ने बताया कि हर्षित तीन भाइयों में सबसे छोटा और अविवाहित था। खेती किसानी में हाथ बटाकर सहयोग करता था अचानक हुई इस घटना से भाई धीरेन्द्र, शतवेंद्र सिंह को रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। प्रधान प्रतिनिधि गौरव सिंह ने मृतक के घर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया है।

हमीरपुर में अवैध खनन पर प्रशासन का चला चाबुक

● खनिज व परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने किए नौ ट्रक सीज

कार्यवाही से ट्रांसपोर्टरों में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- जनपद में अवैध खनन और खनिज के गैरकानूनी परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने सख्ती और तेज कर दी है। इसी क्रम में बृहस्पतिवार देर रात खनिज विभाग और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने सुमेरपुर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से खनिज परिवहन कर रहे 9 ट्रकों को पकड़कर सीज कर दिया। अचानक की गई इस कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में ट्रांसपोर्टरों और अवैध खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई सुमेरपुर थाना क्षेत्र के बांकी- ललपुरा मार्ग पर की गई। देर रात जैसे ही विभागीय टीम ने चेकिंग शुरू की, वैसे ही कई ट्रक चालकों ने अपने वाहनों को बचाने के लिए भागने का प्रयास किया। कुछ चालकों ने ट्रकों को सुनसान स्थानों और रास्ते से हटकर झाड़ियों व खाली जगहों में छिपा दिया। हालांकि, सतर्क और मुस्तैद टीम ने इलाके में सघन तलाश अभियान चलाया और सभी ट्रकों को बरामद कर लिया।

पीछा कर पकड़े गए दो ट्रक, पूछताछ में खुला राज

एआरटीओ अमिताभ राय ने बताया कि चेकिंग के दौरान दो ट्रकों का पीछा कर उन्हें रोका गया। जब चालकों से कागजात मांगे गए तो वे वैध प्रपत्र प्रस्तुत नहीं कर सके। सख्ती से पूछताछ करने पर यह जानकारी सामने आई कि सात अन्य ट्रक भी पास के इलाके में छिपाकर खड़े किए गए हैं। इसके बाद खनिज इंस्पेक्टर उमाकांत के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए सभी चिन्हित स्थानों पर दबिश दी गई और शेष ट्रकों को भी जब्त कर लिया गया।

फैक्ट्री एरिया चौकी में खड़े कराए गए सीज वाहन

कार्रवाई के बाद सभी 9 सीज किए गए ट्रकों को फैक्ट्री एरिया चौकी में खड़ा कराया गया है। संबंधित वाहनों के खिलाफ नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग द्वारा खनिज की मात्रा, स्रोत और परमिट की जांच की जा रही है, वहीं परिवहन विभाग की ओर से वाहन प्रपत्रों और टैक्स संबंधी जांच की जा रही है।

सुबह भी जारी रही कार्रवाई, चार और वाहन सीज

एआरटीओ अमिताभ राय ने बताया कि केवल रात ही नहीं, बल्कि बृहस्पतिवार सुबह भी अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिसमें चार अन्य वाहनों को सीज किया गया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अवैध खनन और खनिज के गैरकानूनी परिवहन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।प्रशासन ने साफ किया है कि आने वाले दिनों में भी संयुक्त चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा। अवैध खनन में लिप्त वाहन मालिकों, ट्रांसपोर्टरों और खनन माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद से क्षेत्र में अवैध खनन से जुड़े लोगों में भय का माहौल है।

सड़क सुरक्षा से ही सुरक्षित भविष्य का निर्माण- डीएम

●बीकेडी एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारम्भ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई (जालौन)- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारम्भ बीकेडी एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन परिवहन विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से किया गया, जिसमें एनसीसी एवं एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का माध्यम है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें तथा अपने परिवार व समाज को भी इसके प्रति जागरूक करें। पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार ने कहा कि हेलमेट, सीट बेल्ट, गति सीमा एवं नशे की हालत में वाहन न चलाने जैसे नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं गणमान्य नागरिकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ डीके भिटौरिया, वरिष्ठ सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी सुरेश कुमार, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी चन्द्रप्रकाश, यातायात प्रभारी बीर बहादुर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, ऑटो यूनियन, यूपीडा, वाहन एजेंसियों के प्रतिनिधि, विद्यालय प्रबंधन एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

गाय की उपयोगिता को लेकर गोष्ठी आयोजित

हमीरपुर- सुमेरपुर कस्बे में गाय की उपयोगिता को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। गौसेवक गयादीन प्रजापति ने बताया कि गाय एक दिव्य प्राणी है और सृष्टि के कल्याण के लिए उसका जन्म हुआ है।बताया कि गाय के गोबर और गौमूत्र तक से मानव जीवन के लिए उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया जाता है।बताया गया कि गौ संपर्क में रहने मात्र से कई बीमारियों का उपचार स्वतः ही हो जाता है और गाय का रोम-रोम मनुष्य के लिए विशेष लाभप्रद है। गाय के 100ग्राम घी और 50ग्राम चावल से हवन करने पर 10टन ऑक्सीजन का निर्माण होता है। गाय के गोबर से कम्पोस्ट खाद, मूर्तियां, दवाएं आदि बनाई जाती हैं।कार्यक्रम में आए अन्य वक्ताओं ने भी प्राचीन काल से गाय और मानव के सम्बन्धों के बारे में व्याख्यान दिए और बताया गया कि गाय हर तरीके से मानव के लिए किस तरह उपयोगी है।कार्यक्रम में लोगों को गाय से सम्बन्धित उत्पादों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में नैंसी, रामबाबू, रामकृपाल, आशीष, जग्गू, मनोज, दिनेश, राकेश, बैजनाथ, चंद्रकुमार, शिवकुमार, अजय प्रजापति सहित कई लोग मौजूद रहे।

बीस दिनों से घने कोहरा और गलन भरी ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त

● न्यूनतम तापमान 6 डिग्री के करीब, धूप न निकलने से हालात और बिगड़े

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- जनपद में बीते लगभग 20 दिनों से लगातार पड़ रहे घने कोहरे और गलन भरी ठंड ने आम जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। मौसम की मार इतनी गंभीर हो गई है कि लोग दिन में भी घरों से निकलने से कतरा रहे हैं। जिले में न्यूनतम तापमान गिरकर 6 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है, जबकि दिन का अधिकतम तापमान भी महज 14 डिग्री सेल्सियस के करीब बना हुआ है। लगातार धूप न निकलने से ठंड का असर और अधिक बढ़ गया है। बीते 18 दिसंबर से पूरा हमीरपुर जिला घने कोहरे की चपेट में है। सुबह से लेकर दोपहर तक कोहरा छाया रहता है, जिससे दृश्यता बेहद कम हो जाती है। कोहरे के कारण बाजारों में सन्नाटा पसरा हुआ है और लोग आवश्यक कामों को छोड़कर घरों में दुबके रहने को मजबूर हैं। व्यापारिक गतिविधियों पर भी इसका सीधा असर देखने को मिल रहा है।

सड़कों पर थमी रफ्तार, दिन में भी जलानी पड़ रही हेडलाइट

घने कोहरे के चलते नेशनल हाईवे सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही में भारी कमी दर्ज की गई है। वहीं, छोटे वाहनों की संख्या भी सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम हो गई है। हालात ऐसे हैं कि वाहन चालकों को दिन के समय भी हेडलाइट जलाकर वाहन चलाने पड़ रहे हैं। कोहरे के कारण हादसों की आशंका को देखते हुए चालक बेहद सतर्क नजर आ रहे हैं।

पशु-पक्षियों पर भी दिख रहा ठंड का असर

कड़ाके की ठंड का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि पशु-पक्षियों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिले में कई स्थानों से ठंड के कारण पक्षियों की मौत की खबरें सामने आई हैं। ठंड से बेहाल पक्षी पेड़ों से गिरते हुए देखे जा रहे हैं, जिससे लोग भी चिंतित नजर आ रहे हैं।

किसानों की बढ़ी चिंता, फसलों पर पाले का खतरा

ठंड बढ़ने के साथ ही किसानों की चिंता भी बढ़ती जा रही है। पाले की आशंका के चलते सरसों, चना और मटर जैसी रबी फसलों को नुकसान पहुंचने का खतरा मंडरा रहा है। जिन फसलों में फूल आ चुके हैं, उनके झड़ने की संभावना बढ़ गई है, जिससे उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। फसलों को बचाने के लिए किसान रात-रात भर खेतों में जागकर सिंचाई और निगरानी कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, पाले से बचाव के लिए हल्की सिंचाई सबसे कारगर उपाय मानी जा रही है।

रैन बसेरों में भी पसरा सन्नाटा

नगर क्षेत्र में बने रैन बसेरों में भी सन्नाटा छाया हुआ है। भारी ठंड और कोहरे के कारण लोग यात्रा करने से बच रहे हैं। रैन बसेरों के केयर टेकर भी खुद को ठंड से बचाने के लिए अलाव तापते नजर आ रहे हैं।

पूरी तरह प्रभावित हुआ जनजीवन

लगातार बढ़ रही ठंड और घने कोहरे ने जिले की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और लोग मौसम के खुलने का इंतजार कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल ठंड से राहत मिलने के आसार कम हैं, जिससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

अलाव- कांग्रेस पार्टी की मंशा पर सभासदों ने किया पानी फेरने का काम

● सभासदों ने ज्ञापन देकर अलावों की स्थिति बताई ठीक

एक दिन पहले कांग्रेस के नेताओं ने अनशन करने की दी थी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- गलन भरी सर्दी में नगर के अंदर नगर पालिका द्वारा जलवाए जा रहे अलावों की संख्या पर अब आमने-सामने राजनीति और बयानबाजी शुरू होने लगी है। एक दिन पहले ही गुरुवार को कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष रामकिशोर पुरोहित एवं नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी ने कार्यकर्ताओं संग मिलकर एसडीएम ज्योति सिंह को ज्ञापन सौंपा था, जिसमें ईओ पर आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा था कि नगर में अलाव की संख्या बेहद कम है और डीएम के आदेश के बाद भी अलाव की संख्या ईओ द्वारा नहीं बढ़ाई जा रही है जो जनहित के खिलाफ है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी थी कि यदि अलाव की संख्या नहीं बढ़ाई गई तो 12 जनवरी से अनशन किया जाएगा। उधर, शुक्रवार को एक दर्जन से अधिक सभासद अलाव मामले में मैदान में आ गए।

सभासदों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर कहा कि डीएम ने अपने निरीक्षण के दौरान अलावों की संख्या को चाक चौबंद बताया था और हम सभी सभासदों को भी अलाव की संख्या पर कोई एतराज नहीं है, जरूरत के मुताबिक अलाव वर्तमान समय में जल रहे हैं। ज्ञापन सौंपने वाले सभासदों में माधवेंद्र यादव माधव, नंदनी बादाम कुशवाहा, रविकांत कुशवाहा, सीमा अहिरवार, सुनीता नरेश कुशवाहा, रघुवीर कुशवाहा, खुशबू जाटव, कमरजहां, शाहीन परवीन, आज़ादुद्दीन, मनोज मोर, महेंद्र कुशवाहा, नजराना, शादाब अंसारी शामिल रहे। अब देखना दिलचस्प होगा कि अनशन करने की घोषणा करने वाले कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का अगला रुख क्या रहता है। फिलहाल जनहित से जुड़ा अलाव का यह मामला शुद्ध रूप से सियासी की भेंट चढ़ता जा रहा है।

बहला फुसलाकर किशोरी को भगाया, केस

सिद्धार्थनगर जिले के गोल्हौरा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासिनी एक किशोरी को अज्ञात द्वारा भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया आया है। किशोरी के अपहरण की आशंका जताते हुए परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अपहृत किशोरी की मां ने थाने में तहरीर देकर कहा है कि उनकी पुत्री उम्र लगभग 17 वर्ष बीते 7 जनवरी की शाम लगभग 3 बजे बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई। काफी खोजबीन किए जाने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं लग सका। रिश्तेदारों व परिचितों के यहां भी पता लगाया गया, लेकिन वह कहीं नहीं मिली। उनकी पुत्री के पास खुद का मोबाइल फोन नहीं था, वह कभी-कभी घर के मोबाइल से चोरी-छिपे किसी से बात किया करती थी। जिससे आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति मेरी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष रामदेव ने बताया कि किशोरी की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है तथा हर पहलू से मामले की जांच की जा रही है।

एनसीसी CATC में सिलचर गवर्नमेंट बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल के कैडेट्स का उत्कृष्ट प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- असम के सिलचर गवर्नमेंट बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल के एनसीसी कैडेट्स ने हाल ही में सिलचर में आयोजित कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप (CATC) में सराहनीय प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। दिसंबर माह में आयोजित पहले CATC कैंप में कैडेट नदीम अब्बास ने ड्रिल (DST) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी अनुशासनशीलता, लगन और सटीक ड्रिल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसी कैंप में कैडेट देबाशीष दास ने ड्रिल (DST) में द्वितीय स्थान हासिल कर विद्यालय को गर्व महसूस कराया। इसके बाद जनवरी में आयोजित दूसरे CATC कैंप में सीनियर कैडेट मोस्तफा आलम लस्कर ने ड्रिल (DST) में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय की सफलता की परंपरा को और आगे बढ़ाया। इसके अतिरिक्त सुमित दास, राज दास, सृजन सिन्हा और सहारुल आलम ने टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन दोनों प्रशिक्षण शिविरों में विद्यालय के कुल 27 कैडेट्स ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण शिविर में कछार ज़िले के 12 स्कूलों और कॉलेजों के एनसीसी कैडेट्स ने सहभागिता की। CATC शाहिदुल चौधरी ने सभी कैडेट्स की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने बताया कि 3 असम बटालियन एनसीसी की A, B और ष्ट सर्टिफिकेट परीक्षा 18 जनवरी से प्रारंभ होगी तथा सभी कैडेट्स को परीक्षा के लिए शुभकामनाएँ दीं।

शॉर्ट सर्किट से कच्चे घर में लगी आग, वृद्ध की जलकर मौत

● सभी परिजन गए थे मजदूरी पर, अकेला घर में था वृद्ध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परैथा में छप्पर/टीनशेड युक्त एक घर में बिजली शॉर्ट सर्किट से आग लग गई जिससे घर के अंदर मौजूद वृद्ध की जलकर मौत हो गई, साथ ही गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार परैथा निवासी श्रीराम बरार (68) पुत्र स्व. नथू का छप्पर युक्त घर गांव में नरिया किनारे महावीर मंदिर के समीप स्थित है और वह बेहद गरीब है। शुक्रवार की सुबह उसके दोनों बेटे खेत में पानी लगाने के लिए,मजदूरी पर गए हुए थे जबकि बहुएं और उनके बच्चे अन्यत्र गांव मटर की फली तोड़ने गई हुई थीं। घर पर श्रीराम अकेला मौजूद था। इसी दरम्यान करीब पौने 11 बजे अचानक बिजली शॉर्ट सर्किट से घर में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। शारीरिक रूप से कमजोर श्रीराम आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया जिससे उसकी मौत हो गई जबकि गृहस्थी का सामान भी जलकर खाक हो गया। आग की लपटें उठती देख मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई और आग बुझाने में लोग जुट गए। सूचना मिलते ही कुछ देर के बाद फायर ब्रिगेड गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई थी। सीओ परमेश्वर प्रसाद, कोतवाल अजीत सिंह ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक जांच पड़ताल की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के दो बेटे कल्लू और अरविंद हैं जबकि तीसरे बेटे राजेंद्र सहित पत्नी फूलवती की कुछ साल पहले कैंसर की बीमारी से मौत हो गई थी। एक बेटी है जिसकी शादी हो चुकी है। मृतक और उसके दोनों बेटों के नाम करीब एक बीघा जमीन है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

सड़क के लिए अनशन पर बैठे ग्रामीणों को मिला सपा का साथ, जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में प्रतिनिधि मण्डल शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- मौदहा क्षेत्र के परसदवा डेरा की लगभग सात सौ मीटर सडक निर्माण की मांग को लेकर बीते पांच जनवरी से, ऐसी हाड़ कंपा देने वाली ठंड में , खुले आसमान के नीचे महिलाओं और बच्चों को लेकर ग्रामीण बैठे हैं लेकिन जिम्मेदारों के कान में जूं तक नहीं रेंग रही है।वहीं अनशन पर बैठे ग्रामीणों को शुक्रवार को सपा का सहयोग मिल गया जिसके चलते जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में सपा नेताओं का एक प्रतिनिधि मण्डल अनशन में शामिल हुआ।

बताते चलें कि बीते पांच जनवरी को सिसोलर थाना क्षेत्र के ग्राम परसदवा डेरा गऊघाट छानी के ग्रामीण लगभग सात सौ मीटर सडक निर्माण की मांग को लेकर लगातार पत्राचार करते रहे हैं।हालांकि सडक नहीं बनने के कारण एक बार ग्रामीण अनशन पर भी बैठ चुके हैं लेकिन उस दौरान तत्कालीन उपजिलाधिकारी मौदहा ने जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी को फोन पर अवगत करा अनशन स्थल पर जाकर अनशन कारियों से बातचीत कर सडक निर्माण का आश्वासन देकर अनशन समाप्त करा दिया था लेकिन अनशन समाप्त होते ही अधिकारियों का वादा चुनावी वादे की तरह ठण्डे बस्ते में चला गया। जिसके बाद सडक निर्माण की मांग को लेकर इस भीषण सर्दी में ग्रामीण अनशन पर बैठ गए हैं उसी को लेकर शुक्रवार को सपा जिलाध्यक्ष इदरीश खान, सपा अनूसूचित मोर्चा के ओमप्रकाश सोनकर वारसी के नेतृत्व में सपा नेताओं के एक प्रतिनिधि मण्डल ने अनशन कारियों के साथ अनशन में हिस्सा लिया।

प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद ने प्रेसवार्ता कर गिनाई "वीबी जी राम जी" योजना की खूबियां

● निरीक्षण दौरान अस्पताल में गंदगी देख प्रभारी मंत्री ने जताई नाराजगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- शुक्रवार सुबह भाजपा कार्यालय पहुंचे प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद ने प्रेस वार्ता कर "वीबी जी राम जी" योजना पर विस्तार से चर्चा की इस दौरान प्रभारी मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जी राम जी जिले में प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है। जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के अवसरों को सशक्त बनाना है। अब ग्रामीण परिवारों को प्रति वर्ष 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का गारंटी रोजगार मिलेगा, जिससे उन्हें अतिरिक्त 25 दिनों का सीधा लाभ प्राप्त होगा। जिससे योजना में काम करने वाले लोगों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिलेगा।

पत्रकारों से प्रेसवार्ता के बाद , दोपहर बाद प्रभारी मंत्री ने बांकी मार्ग में संचालित पुराने अस्पताल का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद वह पशु बाजार के समीप दलित बस्ती पहुंचे और लोगों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना।

उसके बाद प्रभारी मंत्री ने बांकी मार्ग में संचालित पुराने अस्पताल के जच्चा बच्चा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। गंदगी देखकर उन्होंने जमकर फटकार लगाई। साथ ही अभिलेख नहीं दिखाने पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए लिपिक का स्पष्टीकरण मांगा है। इसके बाद उन्होंने पशु बाजार के समीप सभासद देवेंद्र वर्मा के घर पहुंचे और दलित बस्ती का भ्रमण कर लोगों का हाल-चाल जाना। निरीक्षण के दौरान एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर,जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद, ब्लॉक प्रमुख लालाराम निषाद व आशीष पालीवाल, नगर पालिकाध्यक्ष कुलदीप निषाद,ओमेश सिंह,गौरव पांडेय आदि मौजूद रहे। अस्पताल में निरीक्षण के दौरान मौहर के ग्रामीण ने बताया कि गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कोई डॉक्टर नहीं रहता है।अस्पताल को फार्मासिस्ट मनमानी तरीके से चला रहे हैं।

चार घरों को निशाना बनाकर चोर लाखों की नकदी-जेवरात लेकर फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कालपी(जालौन)- आटा थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात चोरों ने ताबड़तोड़ वारदातों को अंजाम देते हुए ग्राम तगारपुर और अकोढ़ी में चार घरों को निशाना बनाया। चोर नकदी और सोने-चांदी के जेवरात समेट कर फरार हो गए। वारदात के बाद भागते हुए आरोपी सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गए हैं। तगारपुर निवासी अनीस खान ने बताया कि चोर शौचालय की छत के रास्ते उसके घर में घुसे। उस समय पूरा परिवार घर के अंदर सो रहा था और चोरों ने बाहर से मुख्य दरवाजे पर कुंडी लगा दी। इसके बाद चोर दो बक्से उठाकर छत पर ले गए और उनमें रखे 24 हजार रुपये नकद, दो जोड़ी चांदी की पायल, सोने की मनचली, मंगलसूत्र, झुमकी, टॉप्स तथा दस चांदी के सिक्के चोरी कर लिए। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब तीन लाख रुपये आंकी गई है। जाते समय चोर छत पर रखा एक औजार भी छोड़ गए। इसी गांव में कुछ दूरी पर स्थित गिरजा देवी के कच्चे मकान को भी चोरों ने निशाना बनाया। गिरजा ने बताया कि वह रात में अपने बेटे के घर सोने गई थी। सुबह लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोर बक्से में रखे 17 हजार रुपये नकद और कुछ सोने के आभूषण चोरी कर ले गए। वहीं तगारपुर से सटे अकोढ़ी गांव में भी चोरों ने दो घरों में सेंधमारी की। अकोढ़ी निवासी कालका प्रसाद के घर में चोरों ने ग्लास से ताला तोड़कर 5 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। परिजनों को रातभर चोरी की भनक तक नहीं लगी। पास के एक अन्य घर में भी इसी तरह की घटना घटित हुई है, जहां चोर ग्लास छोड़कर फरार हो गए।